राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. (UHIN/2009/34814) (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, बुधवार, 17 जून 2026
वर्ष 16, अंक 93, पृष्ट 04, मूल्य: 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

लखनऊ के पूर्व डीएसपी शैलेंद्र सिंह ने बैल से बिजली बनाने का अनूठा मॉडल, एक रुपये प्रति यूनिट आ रही लागत...03

कप्तानी मिलने के बाद श्रेयस अय्यर ने मुंबई के वर्ली में लिया लग्जरी अपार्टमेंट, किराया जानकर उड़ जाएंगे होश...04

क्या 2027 में साथ आएंगे अखिलेश और ओवैसी? यूपी में गठबंधन की अटकलें तेज

उत्तर प्रदेश में 2027 का विधानसभा चुनाव अभी भले दूर हो, लेकिन सियासी बिसात बिछनी शुरू हो चुकी है. इसी बीच AIMIM प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन की इच्छा जताकर नई बहस छेड़ दी है. सपा के राष्ट्रीय महासचिव रामगोपाल यादव ने भी कहा है कि भाजपा को हराने वाला जो भी होगा उसका हम स्वागत करेंगे. सवाल यह है कि क्या अखिलेश यादव ओवैसी को अपने साथ लाएंगे? और आखिर यूपी में मुस्लिम वोट बैंक इतना अहम क्यों माना जाता है? इन सारे सवालों का जवाब हम इस रिपोर्ट में जानेंगे. उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है. भाजपा लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी का सपना देख रही है, तो समाजवादी पार्टी 2027 में सरकार बनाने की तैयारी में जुटी है. ऐसे माहौल में छोटे और क्षेत्रीय दल भी अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं. इसी क्रम में बहराइच पहुंचे एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन की इच्छा जताते हुए गेंद अखिलेश यादव के पाले में डाल दी है. ओवैसी ने कहा है, 'अगर कोई बीजेपी को रोकने की कोशिश करता है मैं उनके साथ जुड़ने के लिए तैयार हूं.'

यूपी में AIMIM अबतक नहीं कर पाई है कमाल

असदुद्दीन ओवैसी का यह बयान ऐसे समय आया है जब विपक्षी राजनीति में मुस्लिम वोटों की भूमिका को लेकर नई रणनीतियां बन रही हैं. 2024 लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस गठबंधन को मुस्लिम मतदाताओं का बड़ा समर्थन मिला था, जिसका सीधा फायदा सीटों में दिखाई दिया. अब सवाल यह है कि क्या सपा उस वोट बैंक में AIMIM को हिस्सेदार बनाना चाहेगी? हालांकि, AIMIM का यूपी विधानसभा रिकॉर्ड अभी तक कमजोर रहा है. 2017 में 38 सीटों पर लड़कर 37 पर जमानत जब्त हुई. 2022 में करीब 100 सीटों पर लड़ने के बावजूद वोट शेयर महज 0.43% रहा. लेकिन, स्थानीय निकाय चुनावों में पार्टी ने बेहतर प्रदर्शन किया.

रामगोपाल ने किया स्वागत, लेकिन अखिलेश के सामने ये दिक्कत

असदुद्दीन ओवैसी के बयान पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव रामगोपाल यादव ने कहा है कि भाजपा को हराने वाला जो भी होगा, उसका स्वागत है, लेकिन सियासी जानकार मानते हैं कि अंतिम फैसला अखिलेश यादव को ही करना है. सपा की सबसे बड़ी चिंता यह है कि यदि ओवैसी गठबंधन में आते हैं तो एक वर्ग में सकारात्मक संदेश जा सकता है, लेकिन दूसरी ओर पार्टी की व्यापक सामाजिक गठबंधन की रणनीति प्रभावित भी हो सकती है. दरअसल, बीजेपी की कोशिश है कि चुनाव हिंदुत्व के मुद्दे पर हो, जबकि सपा चाहती है कि चुनाव का मुद्दा PDA (पिछड़ा, दलित, अगड़ा या अल्पसंख्यक) हो. ओवैसी के साथ आने के बाद अखिलेश को बीजेपी आसानी से घेर लेगी.

मुस्लिम वोटों के लिए सपा को AIMIM की जरूरत नहीं

उत्तर प्रदेश में मुस्लिम वोट बैंक बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है. राज्य की कुल आबादी में मुस्लिम समुदाय की हिस्सेदारी करीब 19 प्रतिशत के आसपास मानी जाती है, लेकिन कई जिलों और विधानसभा सीटों पर यह प्रतिशत 30 से 50 फीसदी तक पहुंच जाता है. राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार प्रदेश की 120 से ज्यादा विधानसभा सीटों पर मुस्लिम मतदाता चुनाव परिणाम को सीधे प्रभावित करने की स्थिति में रहते हैं. यही वजह है कि समाजवादी पार्टी लंबे समय से मुस्लिम-यादव समीकरण को अपनी राजनीतिक ताकत मानती रही है. ऐसे में अखिलेश जानते हैं कि मुस्लिमों का वोट उसे मिलेगा, जो बीजेपी को हराने में सक्षम होगा. इस स्थिति में फिलहाल यूपी में सपा ही मजबूत विकल्प है.

RLD और राजभर की पार्टी से गठबंधन है अखिलेश के लिए सीख

ओवैसी के प्रस्ताव पर सपा के भीतर उत्साह कम दिखाई देता है. पार्टी नेताओं का मानना है कि लोकसभा चुनाव के बाद सपा प्रदेश में मुख्य विपक्षी ताकत के रूप में उभरी है और अब वह अपने संगठन और पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) समीकरण के दम पर चुनाव लड़ना चाहती है. ऐसे में सीटों का बंटवारा कर छोटी पार्टियों को ज्यादा राजनीतिक महत्व देने के पक्ष में नेतृत्व नहीं दिख रहा है. सपा की इस सोच के पीछे पिछले गठबंधनों का अनुभव भी माना जा रहा है. पार्टी के भीतर अक्सर राष्ट्रीय लोकदल और सुभासपा जैसे उदाहरण दिए जाते हैं, जो अलग-अलग समय पर सपा के साथ रहे लेकिन बाद में भाजपा खेमे में चले गए. इसी वजह से सपा नेतृत्व को आशंका है कि चुनावी लाभ के लिए साथ आने वाली छोटी पार्टियां चुनाव बाद अपना राजनीतिक रास्ता बदल सकती हैं.

अखिलेश इसे अवसर मानते हैं या राजनीतिक जोखिम

अब सबकी नजर अखिलेश यादव पर है. क्या सपा AIMIMको साथ लेकर चलेगी या फिर 2024 की तरह कांग्रेस के साथ ही अपने गठबंधन को आगे बढ़ाएगी? इसका जवाब आने वाले महीनों में साफ होगा, लेकिन इतना तय है कि 2027 के चुनाव से पहले मुस्लिम वोट बैंक को लेकर राजनीतिक दलों की सक्रियता और बढ़ने वाली है. गौरतलब है कि यूपी की राजनीति में मुस्लिम वोट बैंक सिर्फ एक चुनावी आंकड़ा नहीं, बल्कि कई सीटों पर जीत-हार तय करने वाला फैक्टर माना जाता है. ऐसे में ओवैसी की इस पेशकश ने विपक्षी राजनीति के भीतर नई बहस छेड़ दी है. अब देखना होगा कि अखिलेश यादव इस प्रस्ताव को अवसर मानते हैं या राजनीतिक जोखिम.

चाइनीज मांझे से कटी गन्ना मंत्री संजय गंगवार के भतीजे की गर्दन, 3.5 घंटे चला ऑपरेशन; हालत नाजुक

उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में प्रतिबंध के बावजूद चाइनीज मांझा लोगों के लिए लगातार खतरा बना हुआ है. शहर के सबसे व्यस्त इलाकों में शामिल श्यामगंज फ्लाईओवर पर सोमवार को एक बड़ा हादसा हो गया. स्कूटी से जा रहा एक किशोर आदित्य वीर सिंह गंगवार (15) अचानक चाइनीज मांझे की चपेट में आ गया, जिससे उसकी गर्दन गंभीर रूप से कट गई. घायल आदित्य वीर सिंह, गन्ना मंत्री संजय गंगवार का भतीजा और ब्लॉक प्रमुख अजय सिंह गंगवार का बेटा है. घटना के बाद उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों की निगरानी में उसका इलाज चल रहा है.

फ्लाईओवर पर अचानक गले में फंसा मांझा

बताया जा रहा कि आदित्य वीर सिंह गंगवार सोमवार दोपहर के समय अपनी स्कूटी से स्टेडियम जा रहा था. जब वह श्यामगंज फ्लाईओवर पर पहुंचा तो अचानक हवा में लटक रहा चाइनीज मांझा उसके गले में आकर फंस गया. तेज रफ्तार में होने की वजह से मांझा गर्दन पर गहराई से लग गया और वह स्कूटी पर से संतुलन खो बैठा और सड़क पर गिर गया. मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत आदित्य को संभाला और परिवार को सूचना दी. कुछ ही देर में उसे अस्पताल पहुंचाया गया. हादसे की खबर फैलते ही इलाके के लोगों ने भी नाराजगी जताई और सवाल उठाया कि जब चाइनीज मांझे पर पहले से रोक है तो यह खुलेआम बाजार तक कैसे पहुंच रहा है. घटना की जानकारी मिलते ही गन्ना मंत्री संजय गंगवार भी पीलीभीत से तुरंत बरेली पहुंचे. अस्पताल पहुंचकर उन्होंने डॉक्टरों से इलाज की जानकारी ली और परिवार से मुलाकात की.

मंत्री ने प्रशासन पर उठाए सवाल

अस्पताल में बातचीत के दौरान मंत्री संजय गंगवार ने इस घटना पर दुख जताते हुए कहा कि सरकार ने पहले ही चाइनीज मांझे पर प्रतिबंध लगा रखा है, लेकिन इसके बावजूद इस तरह की घटनाएं होना चिंता की बात है. उन्होंने कहा कि इस मामले में प्रशासन से जवाब लिया जाएगा. मंत्री ने साफ कहा कि वह बरेली ष्ठरूऔर स्स्क्क से बात करेंगे और यह जानेंगे कि प्रतिबंध के बावजूद शहर में चाइनीज मांझा कैसे बिक रहा है? उन्होंने यह भी कहा कि सर्किट हाउस में अधिकारियों के साथ बैठक कर इस पूरे मामले की समीक्षा की जाएगी. उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि पीलीभीत में इस तरह का मांझा आसानी से दिखाई नहीं देता, लेकिन बरेली में इसकी उपलब्धता चिंता बढ़ा रही है. ऐसे में जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई जरूरी है.

क्या बोले स्स्क्क अनुराग आर्य?

वहीं बरेली स्स्क्क अनुराग आर्य ने कहा कि पहले से चाइनीज मांझे के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है. अब इस घटना के बाद दोबारा अभियान तेज किया जाएगा. जहां भी प्रतिबंधित मांझा बिकता मिला, वहां कार्रवाई की जाएगी. वहीं अस्पताल के डॉ. कौशल कुमार ने बताया कि बच्चा बहुत गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया था. पतंग के मांझे से उसकी गर्दन, गाल, होंठ, कान और हाथ में गहरी चोट लगी थी और काफी खून बह चुका था.

3.5 घंटे चला ऑपरेशन

डॉक्टर ने बताया कि करीब साढ़े तीन घंटे ऑपरेशन करके सभी कटे हिस्सों में टांके लगाए गए. डॉक्टर ने कहा कि मांझे से कटने के ऐसे हादसे अब लगातार बढ़ रहे हैं और ये लोगों की जान से जुड़ा गंभीर मामला बनता जा रहा है. उन्होंने बताया कि पहले भी ऐसे कई गंभीर केस आ चुके हैं और इस पर गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है. वहीं घायल आदित्य की मां सीमा गंगवार ने कहा कि वह रेलवे में कार्यरत हैं. उनका बेटा आदित्य वीर सिंह गंगवार रोज की तरह रनिंग के लिए गया था. जब वह श्यामगंज पुल से गुजर रहा था, तभी चाइनीज मांझे की चपेट में आ गया. इस हादसे में उसे बहुत गंभीर चोट आई और तुरंत अस्पताल लाना पड़ा. उसका ऑपरेशन हो चुका है, लेकिन अभी तक उसे होश नहीं आया है.

संक्षिप्त ख़बरें

बीडीओ व सचिव की साठ गांठ से टेंडर प्रक्रिया में किया जा रहा बहुत घोटाला

निघासन खीरी ब्लॉक में बीडीओ और सचिव की मिलीभगत से टेंडर प्रक्रिया में किया जा रहा घोटाला,सिर्फ एक ही अखबार को दिए जा रहे टेंडर,बताया जा रहा है कि सचिव और बीडीओ के तलवे चाटने वाले और ब्लॉक में पैठ बनाने वाले एक ही अखबार को मिल रहा टेंडर, पुराने,नए कार्य के टेंडर प्रक्रिया में ब्लॉक के जिम्मेदार खेल रहे खेल,टेंडर में भी कमीशनखोरी करके बीडीओ,सचिव,कुछ हां हजूरी करने वाले पंचायत मित्र मनमाने ढंग से छपवा रहे टेंडर,निष्पक्ष जांच से टेंडर प्रक्रिया में भी मिलेंगी धांधली,ब्लॉक की गतिविधियों पर उठ रहे सवालिया निशान।

बवाना से औचंदी बार्डर तक बनेगा एलिवेटेड रोड

बाहरी दिल्ली। बवाना औद्योगिक क्षेत्र से लेकर औचंदी बार्डर तक लगभग 12 किलोमीटर लंबा मार्ग पर एलिवेटेड रोड बनाने की दिशा में सरकार ने एक कदम और बढ़ाया है। दिल्ली सरकार ने इस योजना पर काम करने के लिए सलाहकार की नियुक्ति के लिए लगभग 3.94 करोड़ रुपये की मंजूरी दे दी है। कंपनी इस एलिवेटेड रोड के लिए विस्तृत व्यवहार्यता अध्ययन करेगी, जिसमें यातायात सर्वेक्षण, प्रारंभिक डिजाइन और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) आदि तैयार करने का काम भी शामिल होगा। यातायात जाम प्रभावित इस क्षेत्र में एलिवेटेड रोड बनने के बाद बवाना औद्योगिक क्षेत्र से लेकर हरियाणा तक आवाजाही आसान होगी। समय और ईंधन दोनों बचेंगे। बाहरी दिल्ली के बवाना इंडस्ट्रियल एरिया से लेकर औचंदी बार्डर तक मार्ग पर यातायात जाम से राहत का प्लान बनाया जाना है।

एक बार फिर हिली असम की धरती, 4.2 तीव्रता के भूकंप से सहमे लोग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

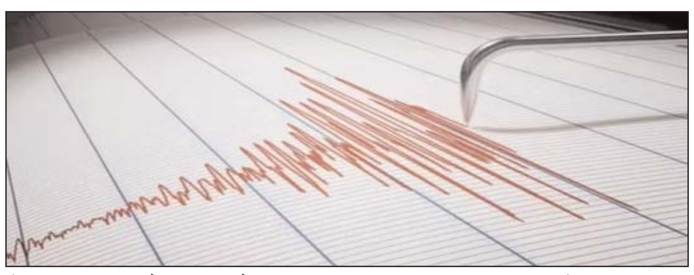

असम के कई जिलों में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं. रात करीब 9:10 बजे आए इस भूकंप की रिक्टर स्केल पर तीव्रता 4.2 रही. कई इलाकों में हल्के झटके महसूस किए गए, जिससे लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। फिलहाल किसी नुकसान की कोई सूचना नहीं है. इससे पहले रविवार देर रात भी राज्य में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। इस दौरान असम, मेघालय और पूर्वोत्तर के अन्य हिस्सों में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए थे. भूटान के पास अनुमानित तीव्रता 5.7 का भूकंप आया था. भूकंप का केंद्र असम के कुछ हिस्सों से करीब 252 किमी दूर था. इससे पूर्वोत्तर के कई इलाकों में झटके महसूस किए गए थे।

पूर्वोत्तर भारत में समय-समय पर छोटे और बड़े भूकंप आते रहते हैं. इनकी वजह है इस क्षेत्र की भौगोलिक और भूगर्भीय स्थिति है. वैज्ञानिकों का कहना है कि पूर्वोत्तर भारत धरती की उन एक्टिव टेक्टोनिक प्लेटों के संगम के पास है, जहां भूगर्भीय हलचल होती रहती है।

यूरेशियन प्लेट से टकरा रही है भारतीय प्लेट

दरअसल, भारतीय प्लेट उत्तर दिशा की ओर बढ़ते हुए यूरेशियन प्लेट से टकरा रही है। करोड़ों सालों से जारी इस टक्कर की वजह से हिमालय पर्वतमाला का निर्माण हुआ. यह प्रक्रिया आज भी जारी है. प्लेटों के बीच का तनाव समय-समय पर अचानक मुक्त होता है, इससे भूकंप आते हैं।

राज्य के नीचे और आसपास कई फॉल्ट लाइन

असम की स्थिति भी इस लिहाज से संवेदनशील है। राज्य के नीचे और आसपास कई सक्रिय फॉल्ट लाइन्स हैं. ये ऐसी दरारें हैं जहां चट्टानें एक-दूसरे के सापेक्ष खिसकती हैं। जब इन क्षेत्रों में दबाव बढ़ता है तो ऊर्जा निकलती है. इससे धरती कांप उठती है. मणिपुर, मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, नागालैंड और त्रिपुरा में भी यही स्थिति है।

दक्षिणांचल के थानों में वीपीओ सिस्टम पर उठे सवाल, अवैध वसूली और प्रभावशाली भूमिका को लेकर चर्चाएं तेज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खजनी, गोरखपुर। दक्षिणांचल क्षेत्र के कई थानों में तैनात वीपीओ (बीट पुलिस अधिकारी) की कार्यप्रणाली को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है। स्थानीय स्तर पर यह आरोप लगाए जा रहे हैं कि कुछ वीपीओ अपने निर्धारित दायित्वों से आगे बढ़कर थाना संचालन और क्षेत्रीय गतिविधियों में प्रभावशाली भूमिका निभा रहे हैं। आरोप है कि ऐसे कर्मियों की पकड़ थानों में इतनी मजबूत हो चुकी है कि कई मामलों में उनकी राय और सिफारिश को विशेष महत्व दिया जाता है।

क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि कुछ थानों में वर्षों से जमे वीपीओ स्थानीय दबंगों, भूमाफियाओं, खनन एवं वन माफियाओं से निकट संबंध बनाए हुए हैं। आरोप है कि इन्हीं संपर्कों के माध्यम से अवैध वसूली का नेटवर्क संचालित किया जाता है। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन क्षेत्र में इसको लेकर व्यापक चर्चा बनी हुई है। सूत्रों के अनुसार, थानों में तैनात कुछ प्रभावशाली वीपीओ थाना प्रबंधन से जुड़े कई महत्वपूर्ण कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। थाने के दैनिक खर्च, मेस व्यवस्था तथा अन्य आंतरिक व्यवस्थाओं की जानकारी और समन्वय भी उनके माध्यम से संचालित होने की बात कही जा रही है। यही वजह है कि उन्हें थाना प्रभारी का करीबी माना जाता है।

स्थानीय पुलिसकर्मियों के बीच भी यह चर्चा रहती है कि मनचाही बीट पर तैनाती अथवा सुविधाजनक ड्यूटी पाने में ऐसे प्रभावशाली कर्मियों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। आरोप यह भी है कि कई बार थाना प्रभारी बदल जाते हैं, लेकिन वर्षों से जमे कुछ कर्मचारी अपनी पकड़ बनाए रखते हैं और स्थानांतरण के बावजूद पुराने क्षेत्रों में प्रभाव बनाए रखने का प्रयास करते हैं।

क्षेत्रीय नागरिकों का दावा है कि सड़क किनारे लगने वाले अवैध ठेलों, खोमचों, अवैध पार्किंग स्थलों तथा अन्य गैरकानूनी गतिविधियों से कथित वसूली की शिकायतें समय-समय पर सामने आती रही हैं। इसके अलावा खनन, भूमि और वन संपदा से जुड़े मामलों में भी अवैध लेन-देन की चर्चाएं सुनाई देती हैं।

कुछ लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि मारपीट अथवा अन्य विवादों के मामलों में समझौता कराने के लिए दबाव बनाया जाता है और असहमति की स्थिति में कानूनी कार्रवाई की आशंका दिखाकर पक्षों को प्रभावित करने का प्रयास किया जाता है। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। क्षेत्र के नागरिकों का मानना है कि पुलिस व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए ऐसे आरोपों की निष्पक्ष जांच आवश्यक है। यदि शिकायतों में सच्चाई पाई जाती है तो संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि पुलिस व्यवस्था में जनता का विश्वास और मजबूत हो सके।

सरकारी दवाइयों का ढेर मिलने से मचा हड़कंप

● स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तालबेहट। तहसील क्षेत्र के गेवरा-गुंदेरा मार्ग पर वायनाले के समीप स्थित सुनसान मगराघाट पहाड़ी क्षेत्र में बड़ी मात्रा में सरकारी दवाइयां पड़ी मिलने से हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने जब दवाइयों का ढेर देखा तो इसकी सूचना अन्य ग्रामीणों को दी, जिसके बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। बताया जा रहा है कि फेंकी गई दवाइयों में आयरन, कैल्शियम समेत विभिन्न प्रकार की सरकारी दवाएं शामिल हैं। दवाइयों की मात्रा को देखते हुए उनकी कीमत हजारों रुपये बताई जा रही है। सुनसान क्षेत्र में इस तरह सरकारी दवाओं का ढेर मिलने से स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली और दवाओं के रखरखाव को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि सरकारी धन से खरीदी गई दवाओं को जरूरतमंद मरीजों तक पहुंचाने के बजाय लापरवाहीपूर्वक फेंक दिया गया है। मामले की जानकारी क्षेत्र में तेजी से फैलने के बाद लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। वहीं, इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि जांच कराई जा रही है।

बस्ती PWD में 27 साल से जमे अधिकारी पर गंभीर आरोप, पत्नी की फर्म और 65 लाख के लेन-देन की जांच की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में भ्रष्टाचार का जिन्न 27साल बाद बाहर निकल कर आया अपना दल एस के प्रदेश सचिव मुख्य संगठन संजय सिंह पगार ने प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग और तत्कालीन प्रभारी मंत्री प्राविधिक शिक्षा एवं उपभोक्ता मामले को पत्र देकर गृह जनपद बस्ती में विगत 26-27 वर्षों से तैनात अधीक्षण अभियन्ता लोक निर्माण विभाग कार्यालय वृत्त बस्ती में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर तैनात प्रेमचन्द्र पुत्र राम सेवक पर अनियमितता के अनेक गंभीर आरोप लगाते हुये उनके स्थानान्तरण और सतर्कता विभाग से उच्च स्तरीय जाँच कराये जाने की मांग किया है.भेजे पत्र में अपना दल एस के प्रदेश सचिव मुख्य संगठन संजय सिंह पगार ने कहा है कि प्रशासनिक अधिकारी के पद पर तैनात प्रेमचन्द्र द्वारा ठेकेदारों व कर्मचारियों का लगातार दोहन किया जा रहा है तथा सरकारी अभिलेखों में भी फेरबदल किये जाने की शिकायत पूर्व में जन प्रतिनिधियों द्वारा की जाती रही है परन्तु प्रेमचन्द्र की ऊँची पहुँच के कारण मण्डलीय कार्यालय पर तैनाती लेते रहे हैं, जिससे इनके भ्रष्टाचार एवं कागजी हेरफेर के कारण सरकारी कार्यों में भी गोपनीयता भंग की जाती रही है।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में संजय सिंह पगार ने कहा है कि प्रेमचन्द्र ने अपनी सेवा अवधि का लगभग 90 प्रतिशत समय बस्ती वृत्त, बस्ती कार्यालय में ही व्यतीत किया है. बाबू पद से लेकर प्रशासनिक अधिकारी पद तक की उनकी अधिकांश सेवा बस्ती मण्डल में ही रही है. इतने लंबे समय तक एक ही मंडलीय कार्यालय में तैनाती से प्रशासनिक निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं विभागीय कार्यप्रणाली की गोपनीयता पर गंभीर प्रश्न उत्पन्न होते हैं. बिजली बिल में 10% बढ़ोतरी से नाराज व्यापारी, बस्ती में प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन यह भी पढ़ें: बिजली बिल में 10% बढ़ोतरी से नाराज व्यापारी, बस्ती में प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

पत्नी की फर्म के जरिए आर्थिक लाभ पहुंचाने का आरोप

श्री पगार ने बताया कि प्रेमचन्द्र द्वारा अपने पद एवं प्रभाव का कथित रूप से दुरुपयोग करते हुए ठेकेदारी व्यवस्था में हस्तक्षेप किया जाता रहा है. आरोप है कि उनके द्वारा कुछ चुनिंदा ठेकेदारों को अनुचित लाभ पहुंचाने, विभागीय गोपनीय सूचनाओं को प्रभावित करने तथा ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया में अनुचित प्रभाव डालने जैसी गतिविधियों में भूमिका निभाई गई है. इसके अतिरिक्त यह भी गंभीर आरोप है कि प्रेमचन्द्र द्वारा अपनी पत्नी श्रीमती सीमा के नाम से संचालित फर्म मेसर्स बुद्धा इंटरप्राइजेज का उपयोग स्वयं एवं अपने परिवार के सदस्यों को प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष आर्थिक लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से किया जा रहा है. उपलब्ध अभिलेखों के अनुसार उक्त फर्म की प्रोपराइटर श्रीमती सीमा है, जिसका पता रौतापार, गांधी नगर, बस्ती दर्शाया गया है. उक्त फर्म का यूनियन बैंक में है.तीन साल में खाते से 65 लाख का लेन-देन, जांच की उठी मांग।

उपलब्ध बैंक विवरण के अनुसार पिछले लगभग तीन वर्षों में उक्त फर्म के खाते में लगभग 65 लाख रुपये की क्रेडिट एवं डेबिट प्रविष्टियां पाई गई हैं, जिससे लेन-देन की प्रकृति, धन के स्रोत तथा संबंधित ठेकेदारों से संभावित संबंधों की निष्पक्ष जांच आवश्यक हो जाती है. आरोप है कि वे अपने पूर्व कार्यकाल से संबंधित अभिलेखों, कथित अनियमितताओं एवं आने वाली निविदा/ई-टेण्डरिंग प्रक्रियाओं हस्तक्षेप बनाए रखने के उद्देश्य से उसी कार्यालय में बने रहना चाहते हैं. प्रेमचन्द्र ने अपना आलीशान मकान लखनऊ में बनवा लिया है। इस प्रकार की शिकायतें पूर्व में भी जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय स्तर पर उठाई जाती रही हैं. हाल ही में भी कुछ जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रेमचन्द्र के विरुद्ध शासन स्तर पर लिखित शिकायतें प्रेषित की गई, जिसके क्रम में शासन द्वारा धारा 7 के अंतर्गत मुख्य अभियंता, बस्ती से रिपोर्ट मांगी गई. किंतु

मुख्य अभियंता, बस्ती आनन्द कुमार द्वारा एक माह से अधिक समय व्यतीत हो जाने के बावजूद शासन को अपेक्षित रिपोर्ट प्रेषित नहीं की गई. जबकि शासन की प्रक्रिया के अनुसार, किसी भी गंभीर शिकायत के क्रम में संबंधित अधिकारी से रिपोर्ट प्राप्त कर स्थानांतरण अथवा अन्य विभागीय कार्रवाई की जाती है। स्थानांतरण प्रक्रिया की पूर्व निर्धारित समय-सीमा 31 मई तक थी, परंतु रिपोर्ट समय से न भेजे जाने के कारण आवश्यक कार्रवाई प्रभावित हुई. वर्तमान में शासन द्वारा स्थानांतरण प्रक्रिया की समय-सीमा 30 जून तक बढ़ा दी गई है, इसलिए जनहित एवं प्रशासनिक पारदर्शिता की दृष्टि से यह आवश्यक है कि मुख्य अभियंता स्तर से लंबित रिपोर्ट तत्काल शासन को भेजी जाए तथा प्रेमचन्द्र का स्थानांतरण करते हुए उनके विरुद्ध प्राप्त शिकायतों की निष्पक्ष एवं उच्च स्तरीय जांच कराई जाए।

मानवता की एक बूंद रक्तदान करें जीवन बचाएं: सुरक्षित रक्त से मजबूत समाज की ओर

हर वर्ष 14 जून को विश्व रक्तदाता दिवस मनाया जाता है। यह केवल एक औपचारिक दिवस नहीं है बल्कि मानवता सेवा और जीवन रक्षा का वैश्विक अभियान है। इस दिन उन लाखों स्वैच्छिक रक्तदाताओं का सम्मान किया जाता है जिनके निस्वार्थ योगदान से प्रतिदिन अनगिनत लोगों को नया जीवन मिलता है। वर्ष 2026 की थीम 'मानवता की एक बूंद। रक्तदान करें। जीवन बचाएं।' इस संदेश को और अधिक प्रभावी बनाती है कि रक्तदान केवल चिकित्सा सहायता नहीं बल्कि करुणा और सामाजिक जिम्मेदारी का सबसे बड़ा प्रतीक है। रक्त ऐसा अमूल्य संसाधन है जिसे किसी प्रयोगशाला में कृत्रिम रूप से तैयार नहीं किया जा सकता। इसकी उपलब्धता पूरी तरह स्वस्थ और जागरूक नागरिकों के स्वैच्छिक रक्तदान पर निर्भर करती है। जब किसी व्यक्ति को दुर्घटना होती है तब प्रसव के दौरान अत्यधिक रक्तस्राव होता है तब कैंसर का इलाज चल रहा होता है तब थैलेसीमिया या अन्य गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को रक्त की आवश्यकता पड़ती है। ऐसे समय में किसी अनजान रक्तदाता द्वारा दिया गया रक्त जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर बन जाता है।

भारत दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देशों में से एक है और यहां रक्त की मांग भी बहुत अधिक है। विभिन्न स्वास्थ्य रिपोर्टों के अनुसार देश में हर वर्ष लगभग 1.4 से 1.6 करोड़ यूनिट रक्त एकत्रित किया जाता है। यह संख्या बड़ी दिखाई देती है लेकिन देश की विशाल जनसंख्या और स्वास्थ्य जरूरतों को देखते हुए अभी भी कई क्षेत्रों में रक्त की कमी महसूस की जाती है। विशेष रूप से दुर्लभ रक्त समूहों और आपातकालीन स्थितियों में रक्त की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती बनी रहती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि देश की कुल आबादी का केवल एक छोटा हिस्सा भी नियमित रूप से रक्तदान करे तो रक्त की कमी की समस्या लगभग समाप्त हो सकती है। एक यूनिट रक्त को अलग अलग घटकों में विभाजित किया जा सकता है। इससे लाल रक्त कणिकाएं प्लाज्मा और प्लेटलेट्स अलग होकर तीन अलग मरीजों के उपचार में उपयोग किए जा सकते हैं। इसका अर्थ है कि एक व्यक्ति का एक बार किया गया रक्तदान तीन या उससे अधिक लोगों का जीवन बचाने में सहायक हो सकता है।

भारत में हर वर्ष लाखों मरीज रक्तदान से लाभान्वित होते हैं। सड़क दुर्घटनाओं के शिकार लोगों से लेकर हृदय शल्य चिकित्सा कराने वाले मरीजों तक और कैंसर उपचार प्राप्त कर रहे रोगियों से लेकर थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों तक सभी के लिए रक्त जीवनरेखा का काम करता है। थैलेसीमिया से पीड़ित हजारों बच्चों को नियमित अंतराल पर रक्त चढ़ाने की आवश्यकता होती है। यदि रक्तदाता आगे न आएं तो इन बच्चों के जीवन पर संकट खड़ा हो सकता है। इसी प्रकार प्रसव के दौरान होने वाले अत्यधिक रक्तस्राव के कारण हर वर्ष अनेक महिलाओं की जान जोखिम में पड़ती है। समय पर उपलब्ध रक्त उनके जीवन की रक्षा कर सकता है।

रक्तदान को लेकर समाज में कई प्रकार की भ्रांतियां भी मौजूद हैं। कुछ लोग मानते हैं कि रक्तदान करने से कमजोरी आ जाती है या स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। जबकि चिकित्सा विज्ञान के अनुसार स्वस्थ व्यक्ति द्वारा निर्धारित अंतराल पर किया गया रक्तदान पूरी तरह सुरक्षित होता है। शरीर कुछ ही समय में रक्त की कमी को पूरा कर

लेता है। रक्तदान से नई रक्त कोशिकाओं के निर्माण की प्रक्रिया सक्रिय होती है और शरीर में आयरन संतुलन बनाए रखने में भी सहायता मिलती है। सबसे बड़ी बात यह है कि रक्तदान से पहले होने वाली स्वास्थ्य जांच व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य की स्थिति जानने का अवसर भी देती है।

आज आवश्यकता केवल रक्त एकत्रित करने की नहीं बल्कि नियमित और स्वैच्छिक रक्तदान की संस्कृति विकसित करने की है। कई बार विशेष अवसरों पर बड़े शिविर आयोजित होते हैं और पर्याप्त मात्रा में रक्त एकत्र हो जाता है लेकिन वर्ष भर निरंतर रक्त की उपलब्धता बनाए रखना अधिक महत्वपूर्ण है। इसके लिए युवाओं को विशेष रूप से प्रेरित करने की आवश्यकता है। कॉलेजों विश्वविद्यालयों और सामाजिक संगठनों को नियमित जागरूकता अभियान चलाने चाहिए ताकि रक्तदान को एक सामाजिक आंदोलन का रूप दिया जा सके।

डिजिटल युग में तकनीक भी रक्तदान अभियान को नई दिशा दे सकती है। मोबाइल एप और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से रक्तदाताओं का राष्ट्रीय नेटवर्क तैयार किया जा सकता है। आवश्यकता पड़ने पर निकटतम रक्तदाता से तुरंत संपर्क स्थापित किया जा सकता है। इससे आपातकालीन परिस्थितियों में समय की बचत होगी और मरीजों को शीघ्र सहायता मिल सकेगी। कई राज्यों में ऐसे प्रयास शुरू हुए हैं लेकिन इन्हें और व्यापक बनाने की आवश्यकता है।

स्कूल स्तर पर भी रक्तदान के महत्व के बारे में शिक्षा दी जानी चाहिए। भले ही विद्यार्थी रक्तदान की आयु तक न पहुंचे हों लेकिन उनमें सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित की जा सकती है। जब वे युवा बनेंगे तब स्वाभाविक रूप से रक्तदान को अपने सामाजिक कर्तव्य के रूप में स्वीकार करेंगे। इसी प्रकार परिवारों में भी रक्तदान को लेकर सकारात्मक चर्चा होनी चाहिए ताकि नई पीढ़ी प्रेरित हो सके। सरकारों और स्वास्थ्य संस्थानों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। रक्त बैंकों की संख्या और गुणवत्ता बढ़ाने के साथ साथ आधुनिक परीक्षण सुविधाओं को मजबूत करना आवश्यक है। सुरक्षित रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए गुणवत्ता मानकों का कठोर पालन किया जाना चाहिए। ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों तक रक्त सेवाओं की पहुंच बढ़ाना भी समय की मांग है। जब तक हर व्यक्ति को आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षित रक्त उपलब्ध नहीं होगा तब तक स्वास्थ्य सुरक्षा का लक्ष्य अधूरा रहेगा।

सामाजिक संगठनों धार्मिक संस्थाओं उद्योग जगत और शैक्षणिक संस्थानों को भी इस अभियान से जुड़ना चाहिए। यदि प्रत्येक संस्था वर्ष में कुछ रक्तदान शिविर आयोजित करे और अपने सदस्यों को नियमित रक्तदान के लिए प्रेरित करे तो देश में रक्त की उपलब्धता कई गुना बढ़ सकती है। रक्तदान को केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि निरंतर चलने वाली सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में अपनाना होगा।

विश्व रक्तदाता दिवस हमें यह याद दिलाता है कि मानवता की सबसे बड़ी ताकत परस्पर सहयोग में निहित है। जब कोई व्यक्ति रक्तदान करता है तब वह केवल रक्त नहीं देता बल्कि किसी परिवार को उम्मीद देता है किसी मां को उसका बेटा लौटाता है किसी बच्चे को भविष्य देता है और किसी मरीज को जीवन का दूसरा अवसर प्रदान करता है। यही कारण है कि रक्तदान को महादान कहा जाता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम रक्तदान को उत्सव नहीं बल्कि आदत बनाएं। यदि प्रत्येक सक्षम नागरिक वर्ष में एक या दो बार भी स्वेच्छा से रक्तदान करे तो भारत न केवल अपनी रक्त आवश्यकताओं को पूरा कर सकता है बल्कि सुरक्षित रक्त उपलब्धता के क्षेत्र में दुनिया के लिए उदाहरण बन सकता है। विश्व रक्तदाता दिवस 2026 का संदेश स्पष्ट है। मानवता की रक्षा के लिए किसी बड़े त्याग की आवश्यकता नहीं है। केवल कुछ मिनट का समय और एक यूनिट रक्त किसी की पूरी जिंदगी बदल सकता है। आइए संकल्प लें कि हम स्वयं रक्तदान करेंगे और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे। क्योंकि जब रक्त की एक बूंद किसी जीवन को बचाती है तब वह केवल चिकित्सा नहीं बल्कि मानवता की सबसे सुंदर अभिव्यक्ति बन जाती है।

कांतिलाल मांडोत

मोदी सरकार में वो समस्याएं जो अभी तक नहीं सुधरीं

संपादक/लेखकः राजीव शुक्ला

इस बात में कोई दो राय नहीं है कि 2014 के बाद से अब तक भारत ने काफी तरक्की की है लेकिन इसमें यह भी है कि अभी तक बहुत सी ऐसी समस्याएं हैं जिनमें सुधार होना बाकी है। 2014 से 2026 तक 12 साल की सत्ता में मोदी सरकार ने योजनाओं, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और वैश्विक छवि पर काम किया। लेकिन कुछ संरचनात्मक समस्याएं ऐसी हैं जो चुनावी नारों और सरकारी रिपोर्टों के बावजूद ज़मीन पर बनी हुई हैं। ये समस्याएं आम आदमी की रोज़मर्रा की ज़िंदगी से सीधे जुड़ती हैं। इसमें सबसे पहले आती है बेरोज़गारी और अनौपचारिक क्षेत्र की अस्थिरता। हालांकि बेरोजगारी को कम करने के लिए सरकार ने बहुत प्रयास किए हैं लेकिन अभी कई प्रयास करने वाकी हैं। सरकारी आंकड़े कहते हैं कि बेरोज़गारी दर 2017 के मुकाबले घटी है। लेकिन हकीकत में समस्या की प्रकृति बदली है। गुणवत्तापूर्ण रोज़गार की कमी भारतीयों को खल रही है। हर साल 1.2 करोड़ युवा श्रम बाजार में आते हैं, लेकिन प्राइवेट सेक्टर में वेतन बढ़ोतरी धीमी है। आईटी और स्टार्टअप में छंटनी ने मिडिल क्लास की चिंता बढ़ाई है। अनौपचारिक क्षेत्र पर असरः नोटबंदी, GST और कोविड के बाद छोटे दुकानदार, ठेले वाले और दिहाड़ी मजदूर पूरी तरह उभर नहीं पाए। CMIE और NSSO के सर्वे बताते हैं कि स्वरोज़गार बढ़ा है, लेकिन ये ज़्यादातर मजबूरी का स्वरोज़गार है। कृषि संकट और किसान की आय के लिए बहुत समय से बात चल रही है लेकिन अभी तक इस पर कोई ठोस नीति नहीं बन सकी है।

2016 में सरकार ने 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का लक्ष्य रखा था। 2026 तक वो लक्ष्य पूरा नहीं हुआ। MSP की सीमित पहुंच : सिर्फ गेहूं-धान के किसान ही MSP का फायदा ले पाते हैं। दाल, तिलहन, फल-सब्जी वाले किसान मंडी के भाव पर निर्भर हैं। कर्ज और जलवायु जोखिमः को लेकर किसान हमेशा से परेशान रहा है। फसल बीमा योजना ने कुछ राहत दी, लेकिन अतिवृष्टि, सूखा और आवारा पशु की समस्या बनी हुई है। तीन कृषि कानूनों के विरोध के बाद सरकार बैकफुट पर आ गई और बड़े कृषि सुधार रुके हुए हैं।

शिक्षा और स्वास्थ्य में गुणवत्ता का अंतर

शिक्षाः NEP 2020 ने ढांचा बदला, लेकिन सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी, ड्रॉपआउट रेट और लर्निंग आउटकम अब भी कमजोर हैं। ASER रिपोर्ट लगातार बताती है कि कक्षा 5 का बच्चा कक्षा 2 का पाठ नहीं पढ़ पाता। इसी तरह स्वास्थ्यः आयुष्मान भारत ने कवरेज बढ़ाया, लेकिन ग्रामीण इलाकों में डॉक्टर, नर्स और दवाओं की कमी है। निजी अस्पताल महंगे हैं, और आउट-ऑफ-पॉकेट खर्च भारत में अब भी GDP का 50% से ज्यादा है।

महंगाई का मध्यम वर्ग पर दबाव बहुत बढ़ता जा रहा है। तेल, सब्जी, दाल और किराये की कीमतों में उछाल ने मध्यम वर्ग को सबसे ज्यादा प्रभावित किया। सरकार ने टैक्स स्लैब बदले, लेकिन प्रत्यक्ष कर का बोझ अब भी वेतनभोगी वर्ग पर ज्यादा है।

कोर महंगाई भले नियंत्रण में रही हो, लेकिन खाद्य महंगाई 2022-2024 में दो बार 10% पार कर गई। RBI के बार-बार रेपो रेट बढ़ाने से EMI बढ़ी और घर खरीदना मुश्किल हुआ। नौकरशाही और भ्रष्टाचार की जड़ें मजबूत हो रहीं हैं। DBT और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने बिचौलियों को कम किया, लेकिन ज़मीन-रजिस्ट्री, पुलिस, म्यूनिसिपल सर्विस में भ्रष्टाचार खत्म नहीं हुआ। विपक्ष का आरोप है कि ED, CBI जैसी एजेंसियों का राजनीतिक इस्तेमाल बढ़ा है। वहीं सरकार कहती है कि भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई हो रही है। नतीजा ये है कि आम आदमी का भरोसा सिस्टम पर आंशिक ही बहाल हुआ है।

सामाजिक ध्रुवीकरण और संवाद की कमी पिछले 12 साल में धार्मिक और क्षेत्रीय मुद्दे राष्ट्रीय बहस में हावी रहे। इससे विकास और रोज़गार जैसे मुद्दे कई बार बैकसीट पर चले गए। मीडिया और सिविल सोसाइटी का स्पेस सिकुड़ने की शिकायत विपक्ष और पत्रकार संगठनों से आती रही है। सरकार का पक्ष है कि फेक न्यूज़ और अस्थिरता रोकने के लिए नियम जरूरी हैं। राज्य-केंद्र संबंध और संघीय ढांचा

GST लागू होने के बाद राज्यों को मुआवज़ा देने का वादा 2022 में खत्म हो गया। अब कई राज्य कहते हैं कि उनका फिस्कल स्पेस सिकुड़ गया है।

केंद्रीय योजनाओं के नाम पर राज्यों की भूमिका सीमित हो गई है, जिससे संघीय संतुलन पर सवाल उठते हैं। सुधार हुआ, पर असमान गति से मोदी सरकार ने बुनियादी सुविधाओं, डिजिटल ट्रांजैक्शन और इंफ्रास्ट्रक्चर में ठोस काम किया है। उज्ज्वला, जनधन, सड़क, रेल और UPI इसका उदाहरण हैं। लेकिन रोज़गार की गुणवत्ता, कृषि आय, शिक्षा-स्वास्थ्य की ग्राउंड लेवल क्वालिटी, और महंगाई जैसी समस्याएं अभी भी सिस्टम की कमज़ोरी दिखाती हैं। 2026 तक सरकार की सबसे बड़ी चुनौती ये है कि वो कल्याणकारी योजनाओं के साथ-साथ प्रोडक्टिविटी और प्राइवेट इन्वेस्टमेंट को भी तेज़ करे, ताकि ये समस्याएं चुनावी मुद्दे बनकर न रह जाएं बल्कि हल हों।

शहीद कहलाने लायक भी नहीं माने गए... सिर्फ नाविक थे न

[राष्ट्र के लिए जान देने वाले, राष्ट्र की नजर में अनजान क्यों?]

[हार्मुज-ओमान क्षेत्र की लहरें अब तेल नहीं, भारतीय खून बहा रही हैं]

कुछ मौतें केवल परिवारों को नहीं रुलातीं, वे राष्ट्र के विवेक को भी कठघरे में खड़ा कर देती हैं। जून 2026 में दुनिया फीफा विश्व कप की चमक-दमक और जीत-हार के रोमांच में डूबी है, लेकिन इसी बीच हार्मुज के निकट ओमान की खाड़ी ने तीन भारतीय नाविकों की अंतिम पुकार अपने भीतर समेट ली। पलाउ-ध्वजांकित टैंकर पर अमेरिकी मिसाइल हमले में विशाखापट्टनम के मुख्य अभियंता पटनाला सुरेश, डेक कैडेट आदित्य शर्मा और फिटर शिवानंद चौरसिया की मृत्यु केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि उस कठोर सच्चाई का प्रतीक है जिसे वैश्विक राजनीति अक्सर आंकड़ों और बयानों के नीचे दबा देती है। जिनके श्रम से दुनिया के कारखाने चलते हैं और जिनकी मेहनत से ऊर्जा के स्रोत देशों तक पहुँचते हैं, वही संकट की घड़ी में सबसे अधिक अकेले छोड़ दिए जाते हैं। दुनिया की अर्थव्यवस्था की धड़कन अक्सर उन समुद्री मार्गों से गुजरती है, जिनके नाम अधिकांश लोग नहीं जानते। स्ट्रेट ऑफ हार्मुज ऐसा ही एक संकरा जलमार्ग है, जो केवल रास्ता नहीं बल्कि वैश्विक ऊर्जा व्यवस्था की जीवनरेखा है। दुनिया के बड़े हिस्से तक तेल और गैस इसी से गुजरते हैं। भारत, जो तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक है, उसकी विकास यात्रा भी इसकी स्थिरता पर निर्भर है। इसलिए जब हार्मुज में तनाव बढ़ता है, तो केवल तेल के दाम नहीं, बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था की नब्ज अस्थिर हो जाती है। उद्योग, परिवहन, बाजार और घरेलू बजट–सब इसकी आंच झेलते हैं। लेकिन इन चर्चाओं के बीच एक सच अक्सर छूट जाता है– इन समुद्री मार्गों के असली आधार नाविक ही सबसे असुरक्षित और उपेक्षित कड़ी हैं।

इतिहास की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि सभ्यताओं को आगे बढ़ाने वाले लोग अक्सर इतिहास के पन्नों से बाहर रह जाते हैं। भारतीय नाविक भी इसी पीड़ा के हिस्सेदार हैं। वे सीमा पर तैनात सैनिक नहीं, न ही उनके कंधों पर सितारे हैं, फिर भी उनका योगदान किसी राष्ट्रीय सेवा से कम नहीं। महीनों समुद्र में रहना, परिवार से दूरी, अनिश्चित मौसम और जोखिमों के बीच भी वैश्विक व्यापार को गति देना उनका असाधारण समर्पण है। सैनिक के शहीद होने पर राष्ट्र खड़ा हो जाता है, लेकिन नाविक की मृत्यु अक्सर खबरों में खो जाती है। इसलिए सवाल और गहरा हो जाता है–क्या इन्हें केवल कर्मचारी मानना उचित है, या राष्ट्रीय हितों के वास्तविक संरक्षक के रूप में स्वीकार करना चाहिए?

समाचार चैनलों की बहसें अक्सर घटनाओं को शक्ति-संघर्ष की भाषा में बाँध देती हैं, जबकि केंद्र में इंसानी जीवन होता है। हार्मुज की यह त्रासदी भी इसी प्रवृत्ति का शिकार है–कहीं इसे अमेरिका-ईरान तनाव, तो कहीं भारत-अमेरिका संबंधों की कसौटी के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन इन विश्लेषणों में वह भारतीय युवक खो जाता है, जिसने रोजगार, सपनों और परिवार की उम्मीद में समुद्र का रास्ता चुना। भारत सरकार ने अमेरिकी राजनयिक को तलब कर विरोध दर्ज कराया है, पर क्या केवल विरोध पर्याप्त है? क्या नाविकों की सुरक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा का हिस्सा नहीं बनना चाहिए? जब तक उनकी सुरक्षा सुनिश्चित नहीं होती, ऊर्जा, आर्थिक और समुद्री सुरक्षा अधूरी रहेंगी।

एक सशक्त राष्ट्र की पहचान केवल उसकी सैन्य क्षमता से नहीं, बल्कि अपने नागरिकों के प्रति जिम्मेदारी से होती है। भारत को हर नाविक के लिए वास्तविक समय सुरक्षा नेटवर्क, संकट क्षेत्रों में निगरानी, मजबूत राजनयिक सहायता, बीमा और त्वरित बचाव व्यवस्था विकसित करनी होगी। नौसेना की भूमिका केवल डकैती रोकने तक सीमित नहीं, बल्कि जरूरत पर नागरिक सुरक्षा के लिए एस्कॉर्ट मिशन और सुरक्षित समुद्री गलियारों तक भी बढ़नी चाहिए। वैश्विक शक्ति बनने के लिए भारत को 'सॉफ्ट पावर' के साथ 'प्रोटेक्टिव पावर' भी विकसित करनी होगी, जो अपने नागरिकों को कहीं भी असुरक्षित न छोड़े।

यह समय विकास और मानवीय संवेदना के बीच गहरे विरोधाभास को समझने का अवसर देता है। एक ओर फीफा वर्ल्ड कप में जश्न है, दूसरी ओर भारत के कुछ परिवार शोक में डूबे हैं। स्टेडियमों में तालियाँ गूंज रही हैं, लेकिन समुद्र में खोए जीवनों की प्रतिध्वनि सुनने वाला कोई नहीं। एक ओर एआई, अंतरिक्ष अभियानों और खरबों की संपत्ति की चर्चा है, दूसरी ओर वे नाविक हैं जिनकी मृत्यु पर दुनिया औपचारिक संवेदना देकर आगे बढ़ जाती है। यह असमानता केवल आर्थिक नहीं, बल्कि नैतिक भी है। यदि आधुनिक सभ्यता अपने श्रमजीवियों को सम्मान नहीं दे पाती, तो उसकी उपलब्धियाँ अधूरी और खोखली हैं।

भारत आज ऐसे दौर में है जहाँ भावनात्मक प्रतिक्रियाओं से अधिक रणनीतिक परिपक्वता आवश्यक है। वह न अमेरिका का अंधानुकरण कर सकता है, न ईरान या चीन से पूरी तरह जुड़ सकता है। उसकी वास्तविक शक्ति स्वतंत्र विदेश नीति, मजबूत अर्थव्यवस्था, युवा जनसंख्या और बहुआयामी वैश्विक संबंधों में निहित है। रूस से सस्ता तेल हो या पश्चिम से साझेदारी, भारत ने दिखाया है कि वह अपने हित में निर्णय लेने में सक्षम है। लेकिन अब इस स्वतंत्रता को समुद्री और ऊर्जा सुरक्षा की ठोस नीतियों में बदलना होगा। 'प्रोजेक्ट कुशा' जैसी स्वदेशी रक्षा पहलों के साथ-साथ समुद्री सुरक्षा को राष्ट्रीय रणनीति का केंद्रीय हिस्सा बनाना जरूरी है।समुद्र की यह त्रासदी मन को झकझोर देने वाला संदेश छोड़ जाती है, जिसे अनदेखा करना भविष्य के प्रति लापरवाही होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को अब समुद्री क्षेत्र में भी सशक्त रूप देना होगा। अधिक भारतीय ध्वज वाले जहाज, बेहतर प्रशिक्षण, नाविकों के अधिकारों की वैश्विक वकालत और सुरक्षित समुद्री ढांचा अब अनिवार्य हैं। हार्मुज की लहरों में खोया भारतीय जीवन केवल शोक नहीं, चेतावनी है। यह स्पष्ट करता है कि 21वीं सदी के संघर्ष सीमाओं से नहीं, ऊर्जा मार्गों और समुद्री रास्तों से तय हो रहे हैं। अब निर्णय हमारे हाथ में है–क्या हम इन नायकों को भूलेंगे, या उनकी शहादत को ऐसी नीति में बदलेंगे जो भारत को सुरक्षा, संतुलन और जिम्मेदारी की नई पहचान दे।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

कविता

शिक्षा का कवच।

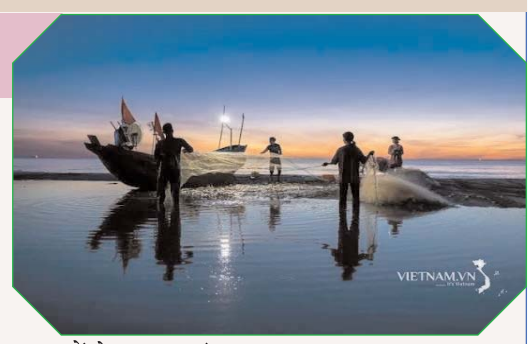

पलकों पे शाम का इंतजार पाया।
हर लम्हे ने सुकून-ए-समंदर पाया,
तेरे इश्क़ में खुद को सिकंदर पाया।

आँखों में तेरे ख़्वाब के मंसूबे जले,
ख़्वाब ने रौशनी का समंदर पाया।

दर्दों में हमेशा तेरी ही आहट रही,
ज़ख्मों ने तेरे नाम का मरहम पाया।

तेरे लबों की हँसी में सवेरा खिला,
पलकों पे शाम का इंतजार पाया।

वादों में तेरे चाहत का जादू रहा,
तन्हाई ने गुफ्तगू का मंजर सजाया।

तेरी सांसों में महकती रही जन्नतें,
हर साँस ने रूह का सफ़र पाया।

तेरी राहों में चलकर ये एहसास हुआ,
इश्क़ में तेरे मैने रूहानी असर पाया।

हर लम्हा तुझसे गुज़र के बोला,
संजीव ने इश्क़ में समंदर पाया।

संजीव ठाकुर

दैनिक राशिफल

मेष आज कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आर्थिक मामलों में सावधानी रखें। परिवार का सहयोग मिलेगा। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल है। शुभ रंगः लाल 7 शुभ अंकः 9

वृषभ पुराने रुके हुए कार्य पूरे होने की संभावना है। नौकरीपेशा लोगों को वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा। निवेश सोच-समझकर करें।
शुभ रंगः सफेद 7 शुभ अंकः 6

मिथुन व्यापार में लाभ के संकेत हैं। मित्रों से मुलाकात हो सकती है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन खान-पान पर ध्यान दें।
शुभ रंगः हरा 7 शुभ अंकः 5

कर्क पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। किसी महत्वपूर्ण निर्णय में जल्दबाजी न करें। धन आगमन के नए स्रोत बन सकते हैं।
शुभ रंगः क्रीम 7 शुभ अंकः 2

सिंह आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी और व्यवसाय में प्रगति के योग हैं। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।
शुभ रंगः सुनहरा 7 शुभ अंकः 1

कन्या कामकाज में व्यस्तता बनी रहेगी। किसी पुराने मित्र से शुभ समाचार मिल सकता है। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।
शुभ रंगः हरा 7 शुभ अंकः 7

तुला दांपत्य जीवन में मधुरता रहेगी। नई योजनाओं पर कार्य शुरू कर सकते हैं। यात्रा के योग बन रहे हैं। शुभ रंगः गुलाबी 7 शुभ अंकः 6

वृश्चिक गुप्त शत्रुओं से सावधान रहें। नौकरी में बदलाव का विचार बन सकता है। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न बरतें।
शुभ रंगः लाल 7 शुभ अंकः 8

धनु भाग्य का साथ मिलेगा। शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के संकेत हैं। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। शुभ रंगः पीला 7 शुभ अंकः 3

मकर कार्यक्षेत्र में मेहनत का फल मिलेगा। संपत्ति संबंधी मामलों में लाभ हो सकता है। परिवार के साथ समय बिताएं। शुभ रंगः नीला 7 शुभ अंकः 8

कुंभ नई योजनाएं लाभदायक सिद्ध होंगी। व्यापार में विस्तार के अवसर मिल सकते हैं। जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा।
शुभ रंगः आसमानी 7 शुभ अंकः 4

मीन मानसिक शांति बनी रहेगी। आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। किसी शुभ समाचार से मन प्रसन्न रहेगा।
शुभ रंगः पीला 7 शुभ अंकः 7

उपाय सुबह सूर्य को जल अर्पित करें और अपने इष्टदेव का स्मरण करें। इससे दिनभर सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी।

सनातन आस्था का पर्व सोमवती अमावस्या और मिथुन संक्रांति

सनातन परंपरा और वैदिक ज्योतिष में ग्रहों के गोचर का गहरा महत्व है। वर्ष 2026 में एक अद्भुत और दुर्लभ ज्योतिषीय संयोग बनने जा रहा है। 15 जून 2026 को एक ही दिन में कई बड़े धार्मिक अवसर एक साथ घटित हो रहे हैं। सोमवार होने के कारण यह पवित्र सोमवती अमावस्या कहलाएगी, साथ ही यह भगवान शिव को समर्पित सोमवार व्रत का भी दिन है। सबसे बड़ा संयोग यह है कि ठीक इसी दिन भगवान सूर्य अपनी वृषभ राशि की यात्रा पूरी करके मिथुन राशि में प्रवेश करेंगे जिसे मिथुन संक्रांति के रूप में मनाया जाता है। इसके अतिरिक्त वर्ष 2026 में यह तिथि ज्येष्ठ अधिक मास की अमावस्या भी है। जब ऐसे अनेक अवसर 24 घंटों के भीतर एक साथ उत्पन्न होते हैं तो विशिष्ट दिन की ऊर्जा अपने चरम पर होती है। इस पावन दिन पर ब्रह्मांड की सकारात्मक शक्तियां मनुष्य को आत्मिक शांति तथा पुण्यों की प्राप्ति का अवसर प्रदान करती हैं।

भारतीय पंचांग के अनुसार 14 जून 2026 को दोपहर 12:20 बजे अमावस्या तिथि का आरंभ होगा और इसका समापन अगले दिन 15 जून 2026 को प्रातः 08:23 बजे होगा। हिंदू धर्म में उदया तिथि का विशेष महत्व होता है जिसके नियम के अनुसार सूर्योदय के समय जो तिथि आकाश में होती है उसी को मान्य माना जाता है। चूंकि 15 जून 2026 को सूर्योदय के समय अमावस्या तिथि उपस्थित रहेगी इसलिए सोमवती अमावस्या का व्रत, स्नान, दान और अनुष्ठान इसी दिन संपन्न किए जाएंगे। सोमवार के दिन अमावस्या का पड़ना बड़ा संयोग है क्योंकि चंद्रमा भगवान शिव के मस्तक पर विराजमान हैं। चंद्र देव को मानव मन का कारक माना गया है और अमावस्या के दिन चंद्रमा दिखाई नहीं देता जिसका अर्थ है कि मन के अंधकार को दूर करने के लिए यह सबसे उत्तम समय है।

सोमवती अमावस्या के दिन पितरों का स्मरण करना और तर्पण तथा श्राद्ध कर्म करना अत्यंत पुण्यकारी माना गया है। मान्यता है कि इस दिन पवित्र नदियों में स्नान करने से पूर्व जन्मों के पाप धुल जाते हैं और पितृ दोष से मुक्ति मिल जाती है। जो श्रद्धालु नदियों तक नहीं जा सकते वे घर में ही जल में गंगाजल मिलाकर स्नान कर सकते हैं। इस पावन अवसर पर सुहागिन महिलाओं द्वारा पीपल के वृक्ष की पूजा करने का प्राचीन विधान है। पीपल के पेड़ में भगवान विष्णु, शिव और ब्रह्मा जी का वास माना जाता है। महिलाएं पति की लंबी आयु और परिवार के उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हुए पीपल की 108 बार परिक्रमा करती हैं और उसे कच्चे सूत के धागे से बांधती हैं।

इसी विशेष दिन दोपहर 12:58 बजे सूर्य देव अपनी यात्रा के अगले चरण में मिथुन राशि में प्रवेश करेंगे जिससे मिथुन संक्रांति का पावन पर्व आरंभ होगा। भगवान सूर्य का गोचर करना संक्रांति कहलाता है। मिथुन संक्रांति के साथ ही ग्रीष्म ऋतु के बाद वर्षा ऋतु के आगमन की आहट होने लगती है। प्रकृति हरा भरा रूप धारण करती है और कृषि कार्यों की शुरुआत के लिए यह समय शुभ माना जाता है। भारत के कई हिस्सों में इस समय को रजो पर्व के रूप में धूमधाम के साथ मनाया जाता है। जब सूर्य देव मिथुन राशि में प्रवेश करते हैं तो प्राणियों की बौद्धिक क्षमता में सकारात्मक वृद्धि होती है। मिथुन संक्रांति का पुण्य काल दोपहर 12:59 बजे से लेकर शाम 07:20 बजे तक रहेगा जबकि महा पुण्य काल का समय दोपहर 12:59 बजे से दोपहर 03:19 बजे तक रहेगा जो पूजा पाठ के लिए सर्वोत्तम है।

वर्ष 2026 में यह अमावस्या ज्येष्ठ अधिक मास में पड़ रही है जो इस दिन के महत्व को बहुत बढ़ा देती है। अधिक मास को पुरुषोत्तम मास भी कहा जाता है और यह भगवान विष्णु को अत्यंत प्रिय है। तीन वर्षों में एक बार आने वाले इस मास के कारण दिन की पवित्रता सघन हो जाती है। एक ही दिन में भगवान शिव, सूर्य और श्री हरि विष्णु की आराधना का एकत्रित होना अद्भुत आध्यात्मिक संगम है। मान्यता है कि अधिक मास में किए गए किसी धार्मिक कार्य का फल लाखों गुना अधिक मिलता है। इसलिए इस दुर्लभ अवसर पर श्रीमद्भागवत गीता का पाठ करना, विष्णु सहस्रनाम का जाप करना और सत्यनारायण भगवान की कथा सुनना असीम शांति का मार्ग प्रशस्त करता है।

इस महा संयोग के दौरान दान का महत्व पुराणों में अनंत बताया गया है। 15 जून 2026 का दिन शिव और शक्ति, सूर्य और चंद्र तथा जल और अग्नि तत्वों के बीच सामंजस्य का दिन है। इस दिन प्यासों को जल पिलाना, छाता देना, सूती वस्त्र, अन्न, जूते चप्पल और फलों का दान करना कल्याणकारी माना जाता है। इस दिन के शुभ मुहूर्तों की बात करें तो ब्रह्म मुहूर्त प्रातः 04:03 बजे से 04:43 बजे तक रहेगा। इस शांत समय में ध्यान लगाना और महामृत्युंजय मंत्र का जाप करना बड़े कष्टों को दूर कर सकता है। इसके अलावा अभिजित मुहूर्त सुबह 11:54 बजे से दोपहर 12:50 बजे तक रहेगा जो किसी भी शुभ संकल्प के लिए सर्वश्रेष्ठ समय है। इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग का निर्माण हो रहा है जो सफलता दिलाने वाला माना गया है। इस दिन प्रत्येक व्यक्ति को सात्विक भोजन ग्रहण करना चाहिए और व्यसनों से दूर रहना चाहिए। किसी पर क्रोध न करना और वाणी में मधुरता बनाए रखना आवश्यक है। मौन का पालन करना और भीतर के विचारों को देखना सच्ची तपस्या है। यह दिन केवल कर्मकांडों तक सीमित रहने का नहीं है बल्कि यह अज्ञान के अंधकार को मिटाकर सूर्य के समान चमकने का आमंत्रण है। प्रकृति माता, पूर्वजों और परमात्मा का आशीर्वाद प्राप्त करने का यह अवसर कई वर्षों बाद प्राप्त होता है। पूर्ण श्रद्धा और विश्वास के साथ इस दिन का स्वागत करना चाहिए।

महेन्द्र तिवारी

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2009/34814 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

लखनऊ के पूर्व डीएसपी शैलेंद्र सिंह ने बैल से बिजली बनाने का अनूठा मॉडल, एक रुपये प्रति यूनिट आ रही लागत

● लखनऊ के पूर्व डीएसपी शैलेंद्र सिंह ने बैल से बिजली बनाने का एक अनूठा मॉडल विकसित किया है, जिसकी लागत मात्र एक रुपये प्रति यूनिट है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। ईरान, इजरायल-अमेरिका के बीच युद्ध से दुनिया ग्रीन एनर्जी के विकास को लेकर सजग हुई है। हमारे देश में भी सौर ऊर्जा को लेकर लगातार काम किया जा रहा है। इन सबके बीच लखनऊ में गोसाईगंज के सिद्धपुरा गांव में पूर्व डीएसपी शैलेंद्र सिंह ने बैल से बिजली बनाने का अनूठा मॉडल तैयार किया है। वह फ्लाईव्हील, गियरबाक्स एवं ग्रेविटी तकनीक के जरिए प्रतिदिन आठ घंटे में 80 यूनिट बिजली उत्पादन कर रहे हैं। फिलहाल वे उतनी ही बिजली बनाते हैं, जितनी उन्हें आवश्यकता है। विशेष बात यह है कि इस मॉडल से बिजली उत्पादन की लागत एक रुपये प्रति यूनिट आती है, जो सोलर से भी सस्ती है। पूर्व डीएसपी शैलेंद्र सिंह सिद्धपुरा में मई 2017 से 'श्री ग्राम धाम गोशाला' चला रहे हैं। वर्तमान में उनके पास 250 से अधिक गाएं और बैल हैं। वह गायों का दूध तो बेचते ही हैं, गोबर और मूत्र का भी सदुपयोग करते हैं। गोबर का उपयोग गोबर गैस प्लांट में करते हैं, जबकि मूत्र को शोधित कर उसकी भी बिक्री करते हैं। उनके पास कई ऐसे बैल हैं, जो सड़कों पर मारे-मारे फिरते थे। अब उनके यहां वही बैल बिजली बनाने में अहम योगदान दे रहे हैं। शैलेंद्र सिंह बताते हैं कि हमने पारंपरिक ज्ञान को नई तकनीक के साथ मिलाकर 'फ्लाईव्हील' कांसेप्ट बनाया है। यह सिस्टम फ्लाईव्हील, गियरबाक्स एवं ग्रेविटी तकनीक पर आधारित है, जिसमें बैलों की चलने की शक्ति को ऊर्जा में बदला जाता है। एक बैल से करीब पांच किलोवाट और सोलर के साथ हाईब्रिड करने पर 10 किलोवाट तक बिजली उत्पादन संभव है। इसी ऊर्जा से उनके फार्म पर सिंचाई, आटा चक्की, कोल्हू और लाइटिंग जैसी सभी जरूरतें पूरी हो रही हैं। वह दो-दो घंटे की शिफ्ट में एक बैल से औसतन आठ घंटे काम लेते हैं। इससे 80 यूनिट बिजली बनाते हैं। इस बिजली को बेचने के लिए फिलहाल ग्रिड की व्यवस्था नहीं है। भविष्य में ग्रिड होने पर वह अधिक ऊर्जा का उत्पादन कर सकते हैं।

क्या है फ्लाईव्हील तकनीक

पूर्व डीएसपी शैलेंद्र सिंह ने बताया कि उनके संयंत्र में एक बड़ा व्हील लगा हुआ है। इससे अल्टरनेटर जोड़ा गया है। व्हील एक कोन पर लगा है।

फ्लाईव्हील को सोलर चालित मोटर और गियर बाक्स से जोड़ा गया है। फ्लाईव्हील पर बैल को खड़ा किया जाता है। उनके आगे चारा रखा रहता है। सोलर वाले मोटर से व्हील चलती है और उस पर बैल चलता है। बैल व्हील पर रखे चारे को खाता रहता है और ट्रेड मिल की तरह एक ही स्थान पर आराम से चलता रहता है। इसमें 20 प्रतिशत ऊर्जा सोलर और 80 प्रतिशत ऊर्जा बैल की लगती है। अल्टरनेटर 1500 रिवोल्यूशन पर मिनट (आरपीएम) मैकेनिकल पावर को इलेक्ट्रिकल पावर में बदल देता है।

फ्लाईव्हील जब तक गतिमान रहती है, तब तक बिजली बनती रहती है। यह पूरी दुनिया में सबसे अलग मॉडल है। इस संयंत्र में लगा गियर बाक्स का भारत और जेनेवा में 2023 में पेटेंट भी हो चुका है।

लखनऊ में पेपर लीक के खिलाफ एनएसयूआई का प्रदर्शन, पुलिस ने कार्यकर्ताओं को रोका

● नीट समेत विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक के विरोध में एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने लखनऊ में प्रदर्शन किया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोका, कुछ को घसीटकर बस में बैठाया और बाद में छोड़ दिया।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। नीट, लेखपाल और एसआई परीक्षा सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लीक होने के विरोध में जनभवन का घेराव करने जा रहे भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के कार्यकर्ताओं को पुलिस घसीटकर ले गई। प्रदर्शनकारियों को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय के पास ही पुलिस ने बैरिकेडिंग करके रोक लिया। इसके बाद जब बैरिकेडिंग फांदने वाले कार्यकर्ताओं को पुलिस ने घसीटकर बस में बैठा लिया और इको गार्डेन के पास लेकर छोड़ दिया। एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ व मध्य जोन के अध्यक्ष अनस रहमान के नेतृत्व में प्रदर्शनकारी छात्रों ने पिछले दिनों गिरफ्तार किए गए अपने साथियों की रिहाई की भी मांग की। पुलिस ने कांग्रेस मुख्यालय से आने वाले चारों मार्गों पर बैरिकेडिंग कर रखी थी। दोपहर एक बजे एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने रोष मार्च शुरू किया। इसी दौरान 100 मीटर आगे लगाई गई बैरिकेडिंग पर कुछ कार्यकर्ता चढ़ गए और बैरीकेडिंग टूट गई इसके कुछ कार्यकर्ता चोटिल हो गए। कुछ कार्यकर्ता बैरीकेडिंग फांदने में कामयाब रहे उन्हें पुलिस ने घसीटकर बस में बैठा लिया। एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि पेपर लीक की जिम्मेदारी लेते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री को इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि पेपर लीक की वजह से जिन परिवारों ने अपने बच्चों को खो दिया है हम उन परिवारों से मिले और उनका दर्द बांटा। उन्होंने मांग की है मृतक छात्रों के परिजनों को आर्थिक मुआवजा दिया जाए।

संक्षिप्त खबरें

कैंट विधानसभा में घर-घर पहुंचेगा सपा पीडीए का संदेश, 16 जून से निकलेगी जनसंदेश यात्रा

कानपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के आह्वान पर समाजवादी पार्टी कानपुर महानगर द्वारा 216 कैंट विधानसभा क्षेत्र में पीडीए (पिछड़ा, दलित एवं अल्पसंख्यक) जनसंदेश यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यह यात्रा 16 जून से प्रारंभ होगी, जो पांचो विधान सभाओ मे जायेगी, जिसका नेतृत्व समाजवादी पार्टी कानपुर महानगर अध्यक्ष हाजी फज़ल महमूद करेंगे। यात्रा का शुभारंभ वार्ड 73 जाजमऊ पुरानी चुंगी से किया जाएगा। इसके बाद पीडीए जनसंदेश यात्रा मककू शहीद का भट्ठा, अशरफाबाद, मोती नगर, केडीए कॉलोनी तथा डिफेंस कॉलोनी सहित कैंट विधानसभा के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचेगी। यात्रा के माध्यम से समाजवादी पार्टी के नेता एवं कार्यकर्ता घर-घर जाकर जनता से संवाद स्थापित करेंगे तथा पार्टी की नीतियों, विचारधारा और पीडीए के सामाजिक न्याय के संदेश को जन-जन तक पहुंचाएंगे। महानगर अध्यक्ष हाजी फज़ल महमूद ने बताया कि पीडीए जनसंदेश यात्रा का उद्देश्य समाज के पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक, किसान, मजदूर, नौजवान और वंचित वर्गों की आवाज को मजबूत करना तथा उन्हें उनके संवैधानिक अधिकारों और सामाजिक भागीदारी के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा आम जनता के हितों की लड़ाई लड़ती रही है और आगे भी पूरी मजबूती के साथ जनता के मुद्दों को उठाती रहेगी। समाजवादी पार्टी के पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया है कि पीडीए जनसंदेश यात्रा के माध्यम से पार्टी का संदेश कैंट विधानसभा के प्रत्येक घर तक पहुंचेगा और सामाजिक न्याय, समानता तथा भाईचारे के विचार को और अधिक मजबूती मिलेगी। प्रमुख रूप से महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद,वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिन्टू, महासचिव संजय सिंह बंटी सेंगर,मुमताज मंसूरी, नंदलाल जयसवाल, शबाब अबरार, रजत मिश्रा,इशरत इराकी, आसिफ शाह आदि लोग प्रमुख रहे।

जीत वेलफेयर फाउंडेशन, की आवश्यक बैठक सम्पन्न, आठवें वार्षिकोत्सव की रूपरेखा पर हुई चर्चा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)- जीत वेलफेयर फाउंडेशन, उ0प्र0 समाजसेवी संस्था एवं डिजिटल न्यूज़ नेटवर्क JWF न्यूज़ चैनल के पदाधिकारियों, सदस्यों एवं संवाददाताओं की एक आवश्यक बैठक शाखा कार्यालय, लालगंज में आयोजित की गई। बैठक में संस्थान एवं न्यूज़ चैनल से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान संस्थान के आगामी आठवें वार्षिकोत्सव समारोह को लेकर विशेष विचार-विमर्श किया गया तथा कार्यक्रम की प्रारंभिक रूपरेखा तैयार की गई। पदाधिकारियों द्वारा आयोजन को भव्य एवं जनहितकारी स्वरूप प्रदान करने के लिए विभिन्न सुझाव प्रस्तुत किए गए। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि संस्था द्वारा प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी समाज में सक्रिय रूप से जनसेवा, सामाजिक जागरूकता, शिक्षा, स्वास्थ्य, पत्रकारिता एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया जाएगा। संस्था ने ऐसे समाजसेवियों एवं जनहित में कार्य करने वाले सक्रिय प्रहरियों को सम्मानित कर उनके कार्यों को प्रोत्साहित करने का संकल्प दोहराया। संस्थान के पदाधिकारियों ने कहा कि जीत वेलफेयर फाउंडेशन निरंतर समाजहित एवं जनकल्याण के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाता रहा है और भविष्य में भी समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद वर्गों के उत्थान के लिए कार्य करता रहेगा। इस अवसर पर संस्था संस्थापक/अध्यक्ष जितेंद्र सविता, रायबरेली जिला अध्यक्ष गौरी शंकर यादव, उपाध्यक्ष अंकुर श्रीवास्तव, महासचिव आदर्श द्विवेदी,उपसचिव सूरज कुमार, प्रभारी चंदर,विधिक सलाहकार रोशन कुमार वर्मा (अधिवक्ता),प्रवक्ता अमित कुमार, मीडिया प्रभारी विशाल मौर्य, प्रभारी कुलदीप कश्यप, सदस्य मंदीप कुमार, अनिल कुमार गुप्ता आदि लोग मौजूद रहे।

दुकान पर चाय पी रहे दंपति को बाइक ने मारी टक्कर, चार घायल

लालगंज (रायबरेली)। उन्नाव हाईवे पर सैमसी गांव के पास रविवार को तेज रफ्तार बाइक ने सड़क किनारे चाय पी रहे दंपति को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दंपति समेत चार लोग घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। महिला की हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया। डलमऊ के इंदेमऊ निवासिनी सुमन अपने पति राम सिंह के साथ मायके सातनपुर जा रही थीं। रास्ते में सैमसी गांव के पास हाईवे किनारे एक दुकान पर दोनों चाय पीने के लिए रुके थे। इसी दौरान सातनपुर निवासी बाइक सवार धीरज और मंगल तेज गति से वहां पहुंचे और अनियंत्रित होकर दंपति को टक्कर मार दी। हादसे में सुमन व उसके पति राम सिंह, धीरज और मंगल घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने सभी घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद सुमन की हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। अन्य घायलों का अस्पताल में उपचार किया जा रहा है।

अखिलेश यादव की बेटी पर टिप्पणी निंदनीय, आरोपी होंगे गिरफ्तार

● भाजपा MLC शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने सुल्तानपुर में कहा, जेल भी जाएंगे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुल्तानपुर – भाजपा एमएलसी शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने रविवार को पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की बेटी पर की गई अभद्र टिप्पणी को 'बहुत निंदनीय कार्य' बताया। उन्होंने कहा कि बेटियों का सम्मान होना चाहिए, चाहे वे किसी की भी हों। एमएलसी सिंह ने जानकारी दी कि मुख्यमंत्री ने इस मामले में एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है, जो दर्ज कर ली गई है। उन्होंने यह भी कहा कि आरोपी पकड़े जाएंगे और उन्हें जेल भी जाना होगा। एक अन्य सवाल के जवाब में, एमएलसी शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने बल्दीराय में किराए पर चल रहे रजिस्ट्री कार्यालय और अधिवक्ताओं के लिए हॉल की व्यवस्था पर बात की। उन्होंने कहा कि ये महत्वपूर्ण कार्य हैं और उम्मीद है कि यह मांग जल्द पूरी हो जाएगी। सिंह ने आश्वासन दिया कि वह इस मुद्दे को प्रभारी मंत्री के संज्ञान में लाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रभारी मंत्री मुख्यमंत्री से इस विषय पर चर्चा करेंगे ताकि समाधान निकाला जा सके। इसी दिन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में इसौली विधानसभा क्षेत्र के विकास खंड बल्दीराय सभागार में 'सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण' को समर्पित एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विधान परिषद सदस्य शैलेन्द्र प्रताप सिंह मुख्य अतिथि के रूप में और भाजपा जिला उपाध्यक्ष चंदन नारायण सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के तहत बल्दीराय सभागार में एक स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया गया, जहाँ लोगों को स्वास्थ्य संबंधी परामर्श और जांच की सुविधाएँ प्रदान की गईं। इससे पहले, एमएलसी शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने अपनी विधायक निधि से 10 लाख रुपये की लागत से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के लिए उपलब्ध कराए गए 10 हॉर्स पावर क्षमता के जनरेटर का उद्घाटन किया। इस जनरेटर से बिजली आपूर्ति बाधित होने पर भी स्वास्थ्य सेवाएँ सुचारु रूप से चल सकेंगी। इस अवसर पर वक्ताओं ने प्रधानमंत्री मोदी के पिछले 12 वर्षों के कार्यकाल में हुए विकास कार्यों, जन-कल्याणकारी योजनाओं और सुशासन की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। साथ ही, केंद्र सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने का संकल्प भी दोहराया गया।

आवश्यक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं शाहरूफ खां पुत्र सगीर खां मो0 ग्वाल मंडी सीतापुर जनपद सीतापुर का निवासी हूं। मेरी पुत्री का नाम पूर्व में 'शाजफ़ा' दर्ज था, जिसे अब माता पिता के द्वारा बदलकर 'उसेदा फरहीन' कर दिया गया है। अब भविष्य में मेरी पुत्री को 'उसेदा फरहीन' नाम से ही जाना पहचाना एवं संबोधित किया जाए। 'शाजफ़ा' एवं 'उसेदा फरहीन' एक ही बच्ची का नाम हैं। मैं उसेदा फरहीन के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं। पिता का नामः शाहरूफ खान पुत्र सगीर खां निवासी मोहल्ला ग्वाल मंडी सीतापुर जनपद सीतापुर

सूचना

मेरी पुत्री का पुराना नाम आरवी गुप्ता है जबकि निजी कारण से मैंने उसका नाम अब बदलकर भाव्या गुप्ता रख दिया है। आधार कार्ड में भी भाव्या गुप्ता दर्ज है। त्रुटिवश पोस्ट ऑफिस के अभिलेख में मेरी पुत्री का नाम आरवी गुप्ता दर्ज हो गया है। मेरी पुत्री का सही नाम भाव्या गुप्ता है और वह इसी नाम से जानी और पहचानी जाती है।

विवेक कुमार पुत्र श्यामसुन्दर गुप्ता
निवासी मो. कुरैशी टोला
कस्बा परगना व तहसील
महमूदाबाद जिला सीतापुर

अंतर्जनपदीय चोर गिरोह के 4 सदस्य गिरफ्तार, लाखों के जेवरात, नकदी बरामद

●पुलिस टीम को 25 हजार इनाम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुल्तानपुर पुलिस ने अपराध नियंत्रण अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर थाना कुड़वार पुलिस, एसओजी और सर्विलांस की संयुक्त टीम ने मुखबिर की सूचना पर अंतर्जनपदीय चोर गिरोह के चार शातिर सदस्यों को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी 14 जून को दोपहर करीब 03:40 बजे फिरोजपुर कलां तिराहा, थाना कुड़वार से की गई। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से भारी मात्रा में चोरी का माल बरामद किया है। इस सफलता के लिए पुलिस टीम को 25,000 रुपये का इनाम भी दिया गया है। पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वे चोरी करने से पहले लक्ष्य वाले मकान की रेकी करते थे। कई दिनों तक आने-जाने के रास्तों और सीसीटीवी कैमरों की निगरानी की जाती थी। पकड़े जाने से बचने के लिए वे घटना के समय अपने मोबाइल फोन साथ नहीं ले जाते थे या उन्हें स्विच ऑफ करके दूर रख देते थे। वे घर के सदस्यों के सो रहे होने के बावजूद अत्यंत शातिर तरीके से चोरी को अंजाम देकर फरार हो जाते थे। चोरी की गई चांदी को खपाने और सोने-चांदी को गलाने में सुल्तानपुर के पंजाबी कॉलोनी निवासी जौहरी मनीष जायसवाल उनकी मदद करता था। मनीष जायसवाल ही चोरी के आभूषणों को बेचकर अपना हिस्सा रखता था और बाकी पैसे गिरोह में बांटता था। फिलहाल कुछ चोरियों के माल के साथ मनीष जायसवाल फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस दबिश दे रही है। सभी मुकदमों में धाराएं बढ़ाई गई हैं। इस गिरोह की गिरफ्तारी से सुल्तानपुर और प्रतापगढ़ जिले की कई बड़ी चोरियों का खुलासा हुआ है। इनमें कोतवाली नगर (सुल्तानपुर) शाहगंज में डॉ. संजय मिश्रा के मकान में हुई चोरी, थाना जयसिंहपुर (सुल्तानपुर) के जगदीशपुर व बहली ग्राम में लगातार तीन चोरियां, और थाना कुड़वार (सुल्तानपुर) क्षेत्र में हुई दो अन्य चोरियां शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, जनपद प्रतापगढ़ (थाना कोतवाली नगर व अन्तू) के पूरे ईश्वरनाथ व डंगरी दूबेपुर में हुई चोरियां भी सुलझाई गई हैं, जिनके सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस को मिले थे। जनपद प्रतापगढ़ के थाना कोतवाली नगर व अन्तू (पूरे ईश्वरनाथ व डंगरी दूबेपुर) में हुई चोरियां भी इस गिरोह ने की थीं। प्रतापगढ़ की इन चोरियों के सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस को मिले थे। पकड़े गए आरोपियों में से तीन सुल्तानपुर के नामी हिस्ट्रीशीटर हैं, जिन पर पहले से दर्जनों मुकदमे दर्ज हैं। जावेद अहमद निवासी घरहा कला, सुल्तानपुर (हिस्ट्रीशीटर-12) इसके खिलाफ गैंगस्टर एक्ट सहित कुल 34 गंभीर मामले दर्ज हैं। अजीम कुरैशी निवासी लाला का पुरवा, नॉर्मल चौराहा, सुल्तानपुर (हिस्ट्रीशीटर - 143) इसके खिलाफ 23 मुकदमे दर्ज हैं। मो0 आदिल निवासी डिहवा कला, सुल्तानपुर (हिस्ट्रीशीटर - 136) इसके खिलाफ 27 मुकदमे दर्ज हैं। अजय कुमार कोरी निवासी डिहवा राहुल चौराहा, सुल्तानपुर इसके खिलाफ 6 मुकदमे दर्ज हैं।

16 जून को आयोजित होगी मण्डलीय औद्यानिक उन्नयन उद्यान गोष्ठी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रायबरेली- जिला उद्यान अधिकारी जयराम वर्मा ने बताया है कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री जी कार्यकाल के 12 साल एवं उ0प्र0 के मा0 मुख्यमंत्री जी के 9 साल विश्वास, विकास एवं जन-कल्याण के तथा प्रगति के पथ पर उद्यान के स्वर्णिम 51 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 16 जून 2026 दिन मंगलवार को प्रातः 10 बजे महावीर सिंह स्मारक महाविद्यालय, कठवारा, हरचन्दपुर, जनपद रायबरेली में मण्डलीय औद्यानिक उन्नयन गोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें लखनऊ, अयोध्या तथा प्रयागराज मण्डल के क्रमशः लखनऊ, उन्नाव, रायबरेली, अमेठी, बाराबंकी, फतेहपुर, प्रतापगढ़, कौशाम्बी, जनपदों के बड़ी संख्या में किसान, निर्यातक, एफ0पी0ओ0, एस0एच0जी0, एवं महिला स्वयं सहायता समूह एवं अन्य उद्यमी प्रतिभाग करेगें, गोष्ठी के मुख्य अतिथि के रूप में मा0 राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार), उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार तथा कृषि निर्यात, उत्तर प्रदेश सरकार दिनेश प्रताप सिंह होगें। साथ ही इस गोष्ठी में उद्यान विभाग के शासन एवं विभाग के उच्चाधिकारी, कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक, गोष्ठी में सम्मिलित जनपदों के सम्बन्धित अधिकारीगण भी सम्मिलित होगें। गोष्ठी में प्रदेश/जनपद में चलायी जा रही कृषक हितैषी योजनाओं से सम्बन्धित व अन्य तकनीकी जानकारी प्रदान की जायेगी। साथ ही औद्यानिक/कृषि के क्षेत्र में यथा संरक्षित खेती, सिंचाई की अत्याधुनिक विधियों एवं उर्वरक तथा पौध रक्षा रसायन, निर्माता कम्पनियों द्वारा भी प्रतिभाग कर अपने उत्पादों के सम्बन्ध के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की जायेगी। उद्यान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कृषकों/उद्यमियों को सम्मानित एवं पुरस्कृत भी किया जायेगा।

युवक पर फावड़ा से हमला करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

निर्माण कार्य के दौरान विवाद में युवक पर फावड़े से हमला, हालत गंभीर

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के पूरे चंदूलाल का पुरवा मजरे अंबारा पश्चिम गांव में युवक पर फावड़ा से हमला करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उन्हें जेल भेज दिया। पुलिस ने मामले में हत्या के प्रयास की धारा बढ़ाते हुए कार्रवाई की है। गांव निवासी हीरालाल घर में निर्माण कार्य करा रहे थे। इसी दौरान गांव के अमरनाथ और चंद्रकांत से विवाद हो गया। आरोप है कि दोनों ने मारपीट शुरू कर दी। मारपीट के दौरान आरोपियों ने हीरालाल के बेटे सुनील के सिर पर फावड़ा से वार कर दिया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सीएचसी पहुंचाया। डॉक्टरों ने सुनील की हालत गंभीर देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वहां उसका इलाज चल रहा है। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि मामले में दर्ज मुकदमे में हत्या के प्रयास की धारा बढ़ाई गई है। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर मेडिकल कॉलेज गोंडा में तीन दिवसीय वृहद स्वास्थ्य मेले का शुभारंभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोंडा। केंद्र सरकार के सफलतापूर्वक 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मेडिकल कॉलेज गोंडा में स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय वृहद स्वास्थ्य शिविर एवं स्वास्थ्य मेले का शुभारंभ जनपद के प्रभारी मंत्री आशीष पटेल ने किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का अवलोकन किया तथा पात्र लाभार्थियों को आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत आयुष्मान कार्ड वितरित कर योजना के लाभों से अवगत कराया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का उद्देश्य अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच सुनिश्चित करना है। आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे लाखों लोगों को आर्थिक संबल मिला है।शुभारंभ के उपरांत प्रभारी मंत्री ने स्वास्थ्य मेले में लगाए गए विभिन्न विभागों के स्टॉलों का निरीक्षण किया तथा आमजन को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं, जांच सुविधाओं एवं जागरूकता कार्यक्रमों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविर में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं एवं आवश्यक परामर्श उपलब्ध कराया जाए।इस अवसर पर विधायक मनकापुर रमापति शास्त्री, विधायक तरबगंज प्रेम नारायण पाण्डेय, विधायक कटरा बाजार बावन सिंह, विधायक मेहनौन विनय कुमार द्विवेदी, विधायक गौरा प्रभात वर्मा, जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, सांसद गोंडा एवं केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री के प्रतिनिधि रमाशंकर मिश्र, सांसद कैसरगंज के प्रतिनिधि संजीव सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष, अपना दल जिलाध्यक्ष सहित विभिन्न विभागों के अधिकारीगण, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। तीन दिवसीय इस वृहद स्वास्थ्य मेले में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण, परामर्श, विभिन्न रोगों की जांच, आयुष्मान कार्ड निर्माण एवं स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे जिले के हजारों नागरिक लाभान्वित होंगे। वेंकटाचार्य क्लब में कृषि विभाग द्वारा आयोजित खरीफ उत्पादकता गोष्ठी का प्रभारी मंत्री ने शुभारंभ किया एवं विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का अवलोकन किया। प्रभारी मंत्री ने विधायकगण के साथ गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की एवं बच्चों का अन्नप्रासन कराया। इससे पहले प्रधानमंत्री ने केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य पर सर्किट हाउस में प्रेस वार्ता कर सरकार की उपलब्धियां को गिनाया। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सर्किट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए जनपद के प्रभारी मंत्री आशीष पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देश ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं, जिनका व्यापक लाभ जनपद गोंडा को भी प्राप्त हुआ है।उन्होंने बताया कि वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत 14.22 लाख से अधिक बैंक खाते खोले गए हैं। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना तथा अटल पेंशन योजना के माध्यम से लाखों लोगों को सामाजिक सुरक्षा का लाभ मिला है। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में 86 हजार से अधिक परिवारों को पक्के आवास उपलब्ध कराए गए हैं। प्रभारी मंत्री ने कहा कि किसान कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत 4.45 लाख किसानों को ?1958 करोड़ की सहायता सीधे उनके खातों में भेजी गई है। फसल बीमा, कृषि सिंचाई, पीएम-कुसुम, किसान क्रेडिट कार्ड, मृदा स्वास्थ्य कार्ड तथा किसान पाठशाला जैसी योजनाओं से कृषि उत्पादन एवं किसानों की आय में वृद्धि हुई है। जनपद में खाद्यान्न उत्पादन 8.43 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर 9.34 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच गया है।उन्होंने बताया कि आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत 7.73 लाख से अधिक कार्ड बनाए गए हैं तथा लाखों लोगों को निःशुल्क उपचार का लाभ मिला है।

डिजिटल निगरानी से मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में रुका फर्जीवाड़ा, करोड़ों की बचत

● मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में आधार आधारित सत्यापन और डाटा मिलान से फर्जीवाड़े पर रोक लगी है। इससे 42,781 अपात्र आवेदन निरस्त हुए और सरकार के 427 करोड़ रुपये से अधिक बचे।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में वर्षों से सामने आ रही अनियमितताओं और फर्जी आवेदनों पर अब तकनीक की मदद से प्रभावी अंकुश लगा है। आधार आधारित सत्यापन, बायोमेट्रिक जांच और विभिन्न सरकारी डाटाबेस के मिलान की व्यवस्था लागू होने के बाद वित्तीय वर्ष 2025-26 में 42,781 अपात्र आवेदनों को समय रहते निरस्त कर दिया गया। इससे सरकार को करीब 427.81 करोड़ रुपये के संभावित फर्जी भुगतान से बचाया जा सका। समाज कल्याण विभाग ने योजना में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए पिछले वर्ष आनलाइन सत्यापन की नई व्यवस्था लागू की थी। इसके तहत आवेदकों के आधार प्रमाणीकरण, आय प्रमाणपत्रों के आनलाइन सत्यापन और अन्य सरकारी अभिलेखों से डाटा का क्रास चेक किया गया। जांच के दौरान कई ऐसे मामले सामने आए, जिनमें पहले से विवाहित जोड़ों ने योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन किया था। ऐसे सभी आवेदन निरस्त कर दिए गए। विभागीय आंकड़ों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 में सत्यापन प्रक्रिया पूरी होने के बाद 76,522 पात्र जोड़ों का विवाह मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत कराया गया। उस समय लागू व्यवस्था के अनुसार प्रत्येक लाभार्थी दुल्हन के बैंक खाते में 60 हजार रुपये की सहायता राशि भेजी गई, जबकि 25 हजार रुपये की वैवाहिक सामग्री किट और 15 हजार रुपये आयोजन पर खर्च किए गए। वर्तमान में योजना के तहत सहायता राशि बढ़ाकर 64 हजार रुपये कर दी गई है। इसके अलावा 21 हजार रुपये के उपहार दिए जा रहे हैं, जबकि शेष राशि विवाह आयोजन पर खर्च की जाती है। इस प्रकार अब प्रत्येक जोड़े पर सरकार लगभग एक लाख रुपये व्यय कर रही है।

समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने कहा कि योजना का लाभ केवल वास्तविक और जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचे, इसके लिए तकनीक का व्यापक उपयोग किया जा रहा है। डिजिटल सत्यापन व्यवस्था से न केवल पारदर्शिता बढ़ी है, बल्कि जवाबदेही भी सुनिश्चित हुई है। भविष्य में भी फर्जीवाड़े पर रोक लगाने के लिए निगरानी तंत्र को और मजबूत किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

बेंगलुरु बनेगा चेस का नया पावरहाउस, ग्लोबल चेस लीग के सीज़न 4 की करेगा मेजबानी

ग्लोबल शतरंज लीग (जीसीएल) का चौथा सत्र तीन सितंबर से बेंगलुरु में आयोजित किया जाएगा। लीग आयोजकों ने शुक्रवार को इसकी घोषणा की। टेक महिंद्रा और शतरंज की वैश्विक संचालक फिडे की संयुक्त पहल के रूप में शुरू हुई ग्लोबल शतरंज लीग ने शतरंज के पारंपरिक प्रारूप में कई नए बदलाव किए हैं। इसमें फ्रेंचाइजी आधारित टीमें, मिश्रित (पुरुष और महिला) टीम संयोजन तथा तेज गति वाले मुकाबलों का प्रारूप शामिल है। चौथे सत्र में भी दुनिया के शीर्ष खिलाड़ी टीम आधारित प्रारूप में खिताब के लिए मुकाबला करते नजर आएंगे। ग्लोबल शतरंज लीग के आयुक्त गौरव रक्षित ने कहा, ग्लोबल शतरंज लीग की स्थापना शतरंज को वास्तव में एक वैश्विक दर्शक खेल बनाने के उद्देश्य से की गई थी। चौथे सत्र का बेंगलुरु में आयोजन लीग के साथ-साथ खेल के विकास के लिए भी एक महत्वपूर्ण क्षण है। यहीं से शतरंज के नए अध्याय की शुरुआत होगी। फिडे अध्यक्ष आर्काडी द्वोरकोविच ने कहा, हमें ग्लोबल शतरंज लीग के चौथे सत्र को बेंगलुरु में आयोजित करते हुए खुशी हो रही है। भारत वैश्विक शतरंज आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभा रहा है और बेंगलुरु इस गति को आगे बढ़ाने के लिए आदर्श मंच प्रदान करता है। पिछले सत्रों में भारत के शीर्ष ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंदा, डी. गुकेश और महान खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद भी इस लीग का हिस्सा रह चुके हैं।

बेहतर होगी 'लास्ट माइल कनेक्टिविटी', द्वारका, उत्तम नगर और ग्रामीण इलाकों के लिए 3 नए बस रूट शुरू

पश्चिमी दिल्ली। दिल्ली परिवहन निगम ने शहर में 'लास्ट-माइल कनेक्टिविटी' (मेट्रो या मुख्य अड्डे से घर तक की दूरी) को बेहतर बनाने के लिए तीन नए बस रूट शुरू किए हैं। प्रदेश के परिवहन मंत्री पंकज सिंह ने शुक्रवार को इसकी घोषणा करते हुए कहा कि इन रूटों का विस्तार लोगों की जरूरतों को ध्यान में रखकर किया गया है, ताकि वे आसानी से मेट्रो स्टेशन, कार्यालय और कालेजों तक पहुंच सकें। परिवहन मंत्री ने कहा कि नए रिहायशी इलाकों और बाहरी कॉलोनियों में रहने वाले लोगों की सहूलियत को देखकर ये ये रूट बनाए गए हैं। हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हर नागरिक को अपने घर के पास से ही मेट्रो स्टेशन, बड़े बस अड्डों और कार्यस्थलों तक जाने के लिए सीधा साधन मिल सके।

दिल्ली पुलिस का बड़ा एक्शन, पहाड़गंज में पकड़ा हाईप्रोफाइल सेक्स रैकेट, 4 महिलाएं रेस्क्यू और संचालक गिरफ्तार

नई दिल्ली। मध्य दिल्ली के पहाड़गंज इलाके में चल रहे सेक्स रैकेट का नबी करीम थाना पुलिस की टीम ने भंडफोड़ किया है। पुलिस ने छापेमारी के दौरान चार महिलाओं को रेस्क्यू किया और सेक्स रैकेट संचालित करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान लक्ष्मी नगर के शाहरुख के रूप में हुई है। इसके अलावा मकान मालिक द्वारका के हरिकिशन उर्फ राजू चैंपियन के खिलाफ भी कार्रवाई की गई है। मध्य जिला उपायुक्त रोहित राजबीर सिंह के मुताबिक, 11 जून की शाम करीब 7:30 बजे नबी करीम पुलिस को सूचना मिली थी कि पहाड़गंज के कुतुब रोड स्थित सरन बिल्डिंग में अवैध रूप से सेक्स रैकेट संचालित किया जा रहा है।

NOTICE

It is informed to the general public that I, KAUSHALYA RANI KOIRI, D.O.B.-11-08-1992, W/o - LATE CHINE LAL KOIRI, resident at Vill. - Kalamagura, P.O.- Kalamagura, P.S.- Ratabari, Dist.- Sribhumi, Assam, declare that my actual and correct name is "KAUSHALYA RANI KOIRI" and which has been correctly recorded in all my relevant documents but inadvertently in my Aadhaar Card vide No. 9942 1178 8373, Voter ID Card vide No. HQV0524777 and my PAN Card vide No. FLDPK3859J wherein my name has been wrongly recorded as "KAUSHALAYA RANI KOIRI" instead of "KAUSHALYA RANI KOIRI" In future I will be known as above said name.

बिल्कुल बर्दाश्त नहीं...ट्रंप ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजर रहे भारतीय जहाजों पर हमले को लेकर किसे दी सीधी चेतावनी

● होर्मुज से निकल रहे भारतीय जहाजों ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में उन्होंने यह भी दावा किया कि ईरान ने चल रही बातचीत के बारे में गलत जानकारी लीक की है और कहा कि तेहरान के सार्वजनिक बयानों में उन शर्तों का ज़िक्र नहीं है जिन पर दोनों पक्षों के बीच सहमति बनी थी।

● ट्रंप ने लिखा, ईरान ने 'फेक न्यूज़' को जो शर्तें बताई हैं, उनका लिखित रूप में तय हुई शर्तों से कोई लेना-देना नहीं है। पर ईरानी हमले स्वीकार्य नहीं', बोले र राष्ट्रपति

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को ईरान पर आरोप लगाया कि उसने होर्मुज जलडमरूमध्य (Strait of Hormuz) से गुजर रहे भारतीय जहाजों पर ड्रोन से हमला करने की नाकाम कोशिश की। इस कथित घटना का ज़िक्र करते हुए ट्रंप ने कहा ल रात होर्मुज जलडमरूमध्य से निकल रहे भारतीय जहाजों पर उनका ड्रोन हमला पूरी तरह नाकाम रहा और यह हरकत बिल्कुल भी मंजूर नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने इस दावे के समर्थन में कोई सबूत नहीं दिया और न ही यह बताया कि वे किन जहाजों की बात कर रहे थे। खबर लिखे जाने तक ईरानी अधिकारियों ने इस आरोप पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी थी। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब इस इलाके में हाल ही में हुए अमेरिकी सैन्य अभियानों में दर्जनों भारतीय नाविकों वाले 3 तेल टैंकर फंस गए हैं। 8 जून को अमेरिकी सेना ने पलाऊ के झंडे वाले टैंकर 'मैरीवेक्स' को बेकार कर दिया, जिस पर 24 भारतीय क्रू सदस्य सवार थे। उन सभी को सुरक्षित बचा लिया गया।

दो दिन बाद, पलाऊ के झंडे वाले एक और टैंकर, 'सेटेबेलो' पर अमेरिकी हमला हुआ। इस जहाज़ पर 24 भारतीय नाविक सवार थे, जिनमें से तीन की हमले में मौत हो गई। एक तीसरे टैंकर, 'जलवीर' पर भी हमला हुआ, जो गिनी-बिसाऊ के झंडे के साथ चल रहा था और जिस पर 20 भारतीय क्रू सदस्य सवार थे। ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में उन्होंने यह भी दावा किया कि ईरान ने चल रही बातचीत के बारे में गलत जानकारी लीक की है और कहा कि तेहरान के सार्वजनिक बयानों में उन शर्तों का ज़िक्र नहीं है जिन पर दोनों पक्षों के बीच सहमति बनी थी। ट्रंप ने लिखा, ईरान ने 'फेक न्यूज़' को जो शर्तें बताई हैं, उनका लिखित रूप में तय हुई शर्तों से कोई लेना-देना नहीं है।

उन्होंने संभावित समझौते के बारे में ईरान की टिप्पणियों की भी आलोचना की और कहा कि उनका सच्चाई से कोई लेना-देना नहीं है और तेहरान पर ईमानदारी से बातचीत न करने का आरोप लगाया। ट्रंप ने तेहरान को चेतावनी देते हुए अपना संदेश खत्म किया और कहा, 'उन्हें जल्द से जल्द अपनी हरकतें सुधार लेनी चाहिए।'

दिल्ली मेट्रो की तरह NCR की नई लाइफलाइन बनेगी नोएडा की ई-सिटी बस सेवा, जेवर एयरपोर्ट का सफर होगा आसान

नोएडा। दिल्ली मेट्रो की तरह एनसीआर की लाइफ लाइन नोएडा की ई सिटी बस सेवा बनेंगी, क्योंकि नोएडा प्राधिकरण ने ई सिटी बस की सुविधा को जेवर स्थित नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा ही नहीं, बल्कि बाटेनिकल गार्डन (डीएमआरसी की ब्लू व मैजेंटा मेट्रो लाइन), दिल्ली (अक्षरधाम व आनंद विहार), गाजियाबाद (नया बस अड्डा व आरआरसीएस), ग्रेटर नोएडा के परी चौक, ग्रेनो वेस्ट जोड़ कर रूट प्लान तैयार किया। इस रूट पर 15 जून तक 110 ई सिटी बस का संचालन होगा, मांग बढ़ने पर 500 बसों का संचालन किया गया जाएगा। इस सेवा से नोएडा, ग्रेटर नोएडा, जेवर के लोग ही नहीं, बल्कि मेरठ, फरीदाबाद, गुरुग्राम तक से आने जाने वालों को आसानी से ई सिटी बस के रूप में सार्वजनिक परिवहन की सुविधा उपलब्ध होगी।

कप्तानी मिलने के बाद श्रेयस अय्यर ने मुंबई के वर्ली में लिया लग्जरी अपार्टमेंट, किराया जानकर उड़ जाएंगे होश

नई दिल्ली। हाल ही में श्रेयस अय्यर को भारतीय टी20 टीम की कमान सौंपी गई। अब श्रेयस अय्यर ने मुंबई के पॉश इलाके वर्ली में एक लग्जरी अपार्टमेंट किराए पर लिया है। इस अपार्टमेंट का शुरुआती मंथली किराया 18.50 लाख रुपये है। इस डील और इसकी जानकारी 'स्क्वायर यार्ड्स' ने 'इंस्पेक्टर जनरल ऑफ रजिस्ट्रेशन' (IGR) की वेबसाइट पर जारी की है। वर्ली के 'आर्टेसिया' में स्थित यह अपार्टमेंट 3,875 वर्ग फीट में फैला है। इसमें चार पार्किंग स्पेस हैं। अय्यर ने तीन साल की लीज साइन की है। उन्होंने 1.84 लाख रुपये की स्टाम्प ड्यूटी, 1,000 रुपये का रजिस्ट्रेशन शुल्क और 74 लाख रुपये की सिक्योरिटी डिपॉजिट का भुगतान किया है। एग्रीमेंट के अनुसार, किराया जो शुरू में 18.50 लाख रुपये प्रति माह है, वह दूसरे साल में लगभग 7% बढ़कर 19.79 लाख रुपये हो जाएगा। तीसरे साल में यह फिर से लगभग 7% बढ़कर 21.18 लाख रुपये हो जाएगा। इस तरह पूरे तीन साल के समय के लिए अय्यर को कुल 7.14 करोड़ रुपये किराया देना होगा।

आयलैंड से होंगे 2 टी20

30 महीने तक टी20 इंटरनेशनल नहीं

खेलने वाले श्रेयस अय्यर को हाल ही में सूर्यकुमार यादव की जगह भारतीय टी20 टीम की कमान दी गई। आयलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में वह कप्तानी करते नजर आएंगे। 3 दिसंबर 2023 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बेंगलुरु में श्रेयस ने आखिरी टी20 इंटरनेशनल मैच खेला था।

51 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले

श्रेयस ने अपने करियर में अब तक 51 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं। इस दौरान 47 पारियों में उन्होंने 30.66 की औसत और 136.12 की स्ट्राइक रेट से 1104 रन बनाए हैं। इस प्रारूप में अय्यर ने 8 अर्धशतक लगाए हैं। 74 रन इस फॉर्मेट में उनका बेस्ट स्कोर है। श्रेयस अफगानिस्तान के खिलाफ 13 जून से शुरू हो रही वनडे सीरीज में एक्शन में नजर आएंगे। पहला मुकाबला धर्मशाला में खेला जाएगा।

रक्त दान सबसे बड़ा दान है रक्तदाता पुलिस मुख्यालय में रक्तदान शिविर आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता
स्वतंत्र सिंह भुल्लर

नई दिल्ली। विश्व रक्तदाता दिवस 14 जून के उपलक्ष्य में दिल्ली पुलिस के कल्याण प्रभाग द्वारा पुलिस मुख्यालय में एक विशेष रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर विशेष पुलिस आयुक्त सतर्कता, कल्याण एवं अनुज्ञापन अतुल कटियार के मार्गदर्शन में तथा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एम्स, नई दिल्ली के सहयोग से संपन्न हुआ। रक्तदान शिविर में दिल्ली पुलिस की विभिन्न इकाइयों से जुड़े 82 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानवता की सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दिया। शिविर के दौरान पुलिसकर्मियों में उल्लेखनीय उत्साह देखने को मिला और उन्होंने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए इस सामाजिक अभियान को सफल बनाया।इस अवसर पर अधिकारियों ने कहा कि रक्तदान एक ऐसा पुनीत कार्य है, जिससे किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन मिल सकता है। उन्होंने कहा कि दुर्घटनाओं, शल्य चिकित्सा, गंभीर बीमारियों तथा आपातकालीन परिस्थितियों में रक्त की उपलब्धता जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर साबित हो सकती है। ऐसे में नियमित रक्तदान समाज के प्रति प्रत्येक नागरिक की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है अधिकारियों ने यह भी कहा कि रक्तदान को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ाने तथा उन्हें इस नेक कार्य के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से समय-समय पर ऐसे शिविर आयोजित किए जाते हैं। दिल्ली पुलिस न केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने के अपने दायित्व का निर्वहन कर रही है, बल्कि विभिन्न सामाजिक और जनकल्याणकारी गतिविधियों के माध्यम से समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को भी सक्रिय रूप से निभा रही है।दिल्ली पुलिस के कल्याण प्रभाग ने रक्तदान करने वाले सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की

सराहना करते हुए शिविर को सफल बनाने में सहयोग देने वाले एम्स के चिकित्सकों, नर्सिंग कर्मियों तथा अन्य स्वास्थ्यकर्मियों का आभार व्यक्त किया। अधिकारियों ने रक्तदाताओं के इस योगदान को समाज के लिए प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि इस प्रकार की पहलें सेवा, संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को मजबूत करती हैं।पुलिस मुख्यालय में आयोजित यह रक्तदान शिविर दिल्ली पुलिस की जनसेवा, सामाजिक सरोकारों और मानवीय मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता का एक उत्कृष्ट उदाहरण बनकर सामने आया।

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 में पी.वी. सिंधु का तूफानी खेल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने शुक्रवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया। तीसरी वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी ने क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे की चेन सू यू को मात्र 27 मिनट तक चले एकतरफा मुकाबले में सीधे गेमों में 21-6, 21-9 से पराजित किया। सिंधु ने शुरुआत से ही मुकाबले पर अपना दबदबा बनाए रखा और आसानी से अंतिम चार में जगह पक्की कर ली।

सेमीफाइनल में सिंधू का सामना जापान की शीर्ष वरीयता प्राप्त अकाने यामागुची से होगा। यामागुची ने भारतीय किशोरी तन्वी शर्मा के शानदार अभियान का अंत करते हुए उन्हें 21-14, 21-14 से हराया। यह मुकाबला 32 मिनट तक चला। सिंधू और यामागुची के बीच अब तक हुए मुकाबलों के आंकड़ों में भारतीय स्टार का पलड़ा थोड़ा भारी रहा है। दोनों खिलाड़ियों के बीच खेले गए 28 मुकाबलों में सिंधू ने 15 जबकि यामागुची ने 13 जीत दर्ज

की हैं। सिंधु के लिए यह सेमीफाइनल काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि मौजूदा सत्र में उनका प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा रहा है। वह बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर पर लंबे समय से चले आ रहे खिताबी सूखे को समाप्त करने के लिए अपनी सर्वश्रेष्ठ लय हासिल करने की कोशिश कर रही हैं। सिंधु को दिसंबर 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल का खिताब जीतने के बाद से अपने अगले खिताब का इंतजार है। इससे पहले सिंधु ने प्री-क्वार्टर फाइनल में हमवतन ईशारानी बरुआ को हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई थी। पुरूष युगल में भारत के हरिहरन अम्साकरूनन और एम आर अर्जुन क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपै के चेन चेंग कुआन और लियू कुआंग हेंग से 19 . 21, 9 . 16 से पिछड़ने के बाद बाहर हा गए।

नोएडा में हाउस लिस्टिंग गणना 80% पर अटकी, धीमी प्रगति पर 30 प्रगणकों को नोटिस

नोएडा। प्रदेश सरकार में मुख्य सचिव एसपी गोयल से फटकार लगने के बावजूद शुक्रवार तक नोएडा प्राधिकरण क्षेत्र में हाउस लिस्टिंग ब्लाक (एचएलबी) की गणना महज 80 प्रतिशत ही हो पाई है। शेष 20 प्रतिशत आनलाइन गणना भी रविवार तक पूरी करने का दावा किया गया है। विशेष बात ये है कि एचएलबी होने के बाद सोमवार से प्राधिकरण में वरिष्ठ अधिकारियों की टीम द्वारा आनलाइन डाटा को रिफाइन किया जाएगा, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में कम जानकारी देने, ताला बंद मकान, सहयोग न करने वाले व्यक्ति, अनुपस्थित मतदाता या फिर भ्रामक सूचना देने वाले लोगों का डेटा तैयार कर दोबारा सत्यापन का काम होगा। धीमी गति से काम करने वाले 30 प्रगणकों को नोटिस जारी भी किए हैं। भारसाधन (चार्ज) अधिकारी इंदु प्रकाश सिंह ने बताया कि मकानों की आनलाइन गणना करने में प्राधिकरण व अन्य विभागों के 2100 स्टाफ को जिम्मेदारी दी गई थी, जिन्होंने 12 जून तक 80 प्रतिशत मकानों की गणना कर ली है।

डिस्ट्रिक्ट पब्लिक रिलेशन्स ऑफिसर ऑफिस, फरीदकोट

● 15 जून को पंजाब के गवर्नर फरीदकोट में स्किल डेवलपमेंट सेंटर का उद्घाटन करेंगे

● डिप्टी कमिश्नर राहुल चाबा ने तैयारियों का रिव्यू किया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फरीदकोट पंजाब के गवर्नर, गुलाब चंद कटारिया, 15 जून को फरीदकोट के अपने दौरे के दौरान रेड क्रॉस भवन में बनाए गए स्किल डेवलपमेंट सेंटर का उद्घाटन करेंगे और फिर कल्चरल सेंटर के ऑडिटोरियम हॉल में जिले के लोगों को संबोधित करेंगे। यह जानकारी डिप्टी कमिश्नर फरीदकोट, श्री राहुल चाबा ने आज प्रोग्राम की तैयारियों का रिव्यू करने के लिए अलग-अलग डिपार्टमेंट के अधिकारियों के साथ मीटिंग में दी।

डिप्टी कमिश्नर ने बताया कि यह स्किल डेवलपमेंट सेंटर सन फाउंडेशन चलाएगा। उन्होंने बताया कि इस सेंटर में युवाओं को सात अलग-अलग स्किल्स की फ्री ट्रेनिंग दी जाएगी। ट्रेनिंग पूरी होने के बाद, ट्रेनी को नौकरी के मौके देने की भी कोशिश की जाएगी, जिससे युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने अधिकारियों

को गवर्नर के दौरे की सभी तैयारियां समय पर पूरी करने और प्रोग्राम को आसानी से आयोजित करने के लिए तालमेल से काम करने के निर्देश दिए।

डिप्टी कमिश्नर ने बताया कि इसके बाद गवर्नर श्री गुलाब चंद कटारिया सरकारी बृजिंदरा कॉलेज में बने एस्ट्रोटर्फ हॉकी ग्राउंड का दौरा करेंगे और वहां खिलाड़ियों से मिलेंगे और उनकी हिम्मत बढ़ाएंगे। इस मौके पर एडिशनल डिप्टी कमिश्नर (ज) श्री संदीप मल्होत्रा, एसडीएम फरीदकोट श्री पुनीत शर्मा, एसडीएम कोटकपूरा राजिंदर सिंह, एस.डी.एम जैतो श्री विक्रमजीत, एक्स. वाटर सप्लाई शमिंदर सिंह, डिस्ट्रिक्ट एजुकेशन ऑफिसर मैडम अंजना कौंसल, एक्स. पीडब्लू .डी. नवजीत सिंह बराड़, डीएफएससी गुरजीत सिंह, डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स ऑफिसर बलजिंदर सिंह, एमसी म्युनिसिपल काउंसिल फरीदकोट श्री अमरींत लाल के अलावा अलग-अलग डिपार्टमेंट के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे।

नोएडा एयरपोर्ट से रियल एस्टेट में बूम, 3 लाख रुपये बीघा की जमीन 80 लाख पहुंची; प्रॉपर्टी के दाम 4 गुना बढ़े

ग्रेटर नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने गौतमबुद्ध नगर के साथ आसपास के जिलों की अर्थव्यवस्था और रियल एस्टेट को नई ऊर्जा दी है। औद्योगिक निवेश, सेवा क्षेत्र के लिए संभावनाओं के नए द्वार खोले हैं। रियल एस्टेट कारोबार में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की भूमिका का अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता है कि नोएडा से लेकर जेवर तक रियल एस्टेट की कीमतों से आठ से 10 प्रतिशत तक वृद्धि पिछले चार से पांच साल के दौरान दर्ज हुई है। प्राधिकरणों को भी नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने संभावनाओं की नई उड़ान दी है। औद्योगिक निवेश के लिए जमीनों की मांग बढ़ी है। प्राधिकरणों की आवंटन दरों में वृद्धि से राजस्व का ग्राफ ऊंचा हुआ है। सेवा क्षेत्र और उद्योगों ने क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को मजबूती दी है। गौतमबुद्ध नगर जैसे औद्योगिक जिले का हिस्सा होने के बावजूद जेवर क्षेत्र की पिछड़े क्षेत्र में गिनती थी, लेकिन जैसे-जैसे फाइलों में बंद पड़े नोएडा इंटरनेशनल ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट की सुगबुगाहटें बढ़ीं और केंद्र व राज्यों के बीच फाइलों दौड़ने ली, इसका असर क्षेत्र में भी नजर आने लगा।

प्रशिक्षित एएसआई रेडियो तकनीशियन एवं आरक्षियों की पासिंग आउट परेड संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस अकादमी, झरोदा कलां में प्रशिक्षित सहायक उपनिरीक्षक रेडियो तकनीशियन और आरक्षियों के लिए पासिंग आउट एवं शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में 85 प्रशिक्षुओं ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा करने के बाद दिल्ली पुलिस बल में अपनी सेवाएं देने के लिए कदम बढ़ाया। इनमें 37 सहायक उपनिरीक्षक रेडियो तकनीशियन जिनमें 8 महिलाएं शामिल हैं, तथा 48 आरक्षी जिनमें 10 महिला आरक्षी शामिल हैं, ने प्रशिक्षण पूर्ण किया। समारोह में दिल्ली पुलिस अकादमी के उपनिदेशक राजबीर सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रशिक्षुओं ने आकर्षक परेड का प्रदर्शन किया तथा शपथ ग्रहण कर निष्ठा एवं समर्पण के साथ सेवा करने का संकल्प लिया।

प्रशिक्षण के दौरान सहायक उपनिरीक्षकों रेडियो तकनीशियन को वायरलेस संचार प्रणाली के संचालन, वायरलेस उपकरणों की मरम्मत, नेटवर्क स्थापित करने तथा आपातकालीन परिस्थितियों में अस्थायी नियंत्रण कक्ष स्थापित करने का विशेष प्रशिक्षण दिया गया। इसके अलावा सभी प्रशिक्षुओं को पुलिस प्रक्रिया, आपराधिक कानून, अपराध विज्ञान, साइबर अपराध एवं फोरेंसिक विज्ञान की शिक्षा प्रदान की गई। शारीरिक प्रशिक्षण के अंतर्गत निहत्थे मुकाबले, हथियार संचालन, फायरिंग, आतंकवाद निरोधक उपायों, योग, खेलकूद तथा व्यायाम जैसी गतिविधियों में प्रशिक्षित किया गया। वहीं आरक्षियों को आपदा प्रबंधन, हथियार संचालन, कमांडो रणनीति, क्षेत्रीय संचालन तथा छापेमारी एवं घात लगाकर कार्रवाई करने जैसी महत्वपूर्ण विधाओं का भी प्रशिक्षण दिया गया।प्रशिक्षण के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षुओं को सम्मानित भी किया गया। सहायक उपनिरीक्षक रेडियो तकनीशियन वर्ग में नवीन कुमार ने सर्वश्रेष्ठ सर्वांगीण प्रशिक्षु तथा इनडोर प्रशिक्षण में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि नीरज कुमार आउटडोर प्रशिक्षण में प्रथम रहे। आरक्षी वर्ग में महिला आरक्षी श्रुति मिश्रा ने सर्वश्रेष्ठ सर्वांगीण प्रशिक्षु, इनडोर तथा आउटडोर प्रशिक्षण की तीनों ट्रॉफियां अपने नाम कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। समारोह को संबोधित करते हुए आउटडोर प्रशिक्षण के सहायक निदेशक प्रभु दयाल ने प्रशिक्षुओं को बधाई दी और कहा कि प्रशिक्षण के दौरान उनमें अनुशासन, टीम भावना और जनसेवा के मूल्यों का विकास

किया गया है। उन्होंने कहा कि विभिन्न राज्यों से आए प्रशिक्षुओं की विविधता दिल्ली पुलिस की शक्ति को और मजबूत बनाती है। उन्होंने सभी प्रशिक्षुओं को शपथ भी दिलाई। मुख्य अतिथि राजबीर सिंह ने प्रशिक्षुओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दिल्ली पुलिस में वायरलेस संचार व्यवस्था और आरक्षी बल कानून-व्यवस्था बनाए रखने की रीढ़ हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी आपात स्थिति में निर्बाध संचार व्यवस्था और आरक्षियों की त्वरित प्रतिक्रिया अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने प्रशिक्षुओं से अपेक्षा की कि वे अपने आचरण, कर्तव्यनिष्ठा और जनसेवा के माध्यम से दिल्ली पुलिस की सकारात्मक छवि को और मजबूत करेंगे।समारोह में प्रशिक्षुओं के परिजन, दिल्ली पुलिस अकादमी के अधिकारी एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे। समारोह का समापन प्रशिक्षुओं के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाओं के साथ हुआ।

तीन अलग-अलग हीरोइनों के साथ शूट हुआ था 34 साल पुराना ये गाना, सेट पर बदतमीजी कर रहे थे लोग

नई दिल्ली। आमिर खान की फिल्म 'जो जीता वही सिकंदर' को आज भी एक कल्ट क्लासिक फिल्म माना जाता है। फैन्स के बीच आज भी इसकी दीवानगी देखने को मिलती है। रिलीज के लगभग तीन दशक बाद भी इसका गाना 'पहला नशा' लोगों के दिलों में बसा हुआ है। इस गाने को बॉलीवुड के सबसे यादगार रोमांटिक गानों में से एक माना जाता है। हाल ही में, कोरियोग्राफर और फिल्ममेकर फराह खान ने इस गाने के बनने से जुड़ी दिलचस्प बातें शेयर कीं।

अलग-अलग हीरोइनों के साथ हुआ शूट

फिल्ममेकर-कोरियोग्राफर ने अपने लेटेस्ट व्लॉग में एक्टर्स वेदांग रैना और शरवरी के साथ बातचीत करते हुए इस गाने से जुड़ी शूटिंग के दौरान की एक कहानी बताई। फराह ने कहा, 'हमारे पास न तो मॉनिटर थे और न ही माइक्रोफोन; हमने यह गाना 1990 में शूट किया था और फिल्म 1992 में आई थी। मैंने तीन अलग-अलग हीरोइनों के साथ यह गाना तीन बार शूट किया। हीरोइनें बदलती रहीं और आखिर में आयशा जुल्का आई, जिनके साथ हमने जनवरी 1992 में शूटिंग की। '

सेट पर बदतमीजी कर रहे थे लोग

इससे पहले, 'जस्ट टू फिल्मी' के साथ बातचीत में आमिर खान ने बताया था कि फिल्म की कास्ट अलग थी और बाद में उसे बदल दिया गया था। इसलिए फिल्म की शूटिंग दोबारा की गई। उन्होंने आगे बताया कि मुश्किलें यहीं खत्म नहीं हुईं। फिल्म में कुछ ऐसे एक्टर्स थे जो सेट पर बहुत बदतमीजी करते थे। फराह ने कहा, 'वहां चार एक्टर्स थे और वे बहुत बदतमीज थे। मैं उनके नाम नहीं लूंगा, लेकिन वे हमें बहुत परेशान कर रहे थे। मैंने मंसूर से कहा, 'अगर हम फिल्म का 80 परसेंट हिस्सा दोबारा शूट कर रहे हैं, तो इन चारों को भी हटा देते हैं और पूरी फिल्म ही दोबारा शूट करते हैं। मैं उन्हें दोबारा बर्दाश्त नहीं कर सकता।'

क्यों दोबारा करनी पड़ी शूटिंग

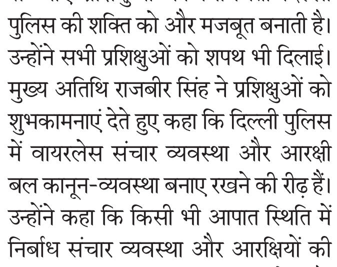

आमिर ने बताया, 'फिल्म की शूटिंग दो बार हुई। हमने ऊटी और कोडाइकनाल में 60-70 दिनों तक शूटिंग की। हम वापस आए और दो महीने बाद मंसूर ने मुझे फोन करके कहा, 'देविका का किरदार ठीक नहीं लग रहा है।' उस समय देविका का रोल एक दूसरी एक्ट्रेस कर रही थीं। वह बहुत अच्छी लड़की और बेहतरीन एक्ट्रेस थीं, लेकिन मंसूर को लगा कि उनमें वह स्वाभाविक घमंड नहीं था जिसकी उस रोल के लिए जरूरत थी। ' इसके बाद इसमें पूजा बेदी की एंट्री हुई और उनका पार्ट दोबारा शूट हुआ। फिल्म में दीपक तिजोरी, मामिक सिंह, आयशा जुल्का, कुलभूषण खरबंदा, इमरान खान और किरण जावेरी भी थे।

ड्रग्स के खिलाफ जंग, ड्रग्स के खिलाफ डटकर खड़े होने की अपील की

● एंटी-ड्रग प्रोग्राम के दौरान, कैबिनेट मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ ने युवाओं से ड्रग्स के खिलाफ डटकर खड़े होने की अपील की।

ड्रग्स के खिलाफ लड़ाई में बड़ी संख्या में लोग आगे आए ताकि एक रंगीन पंजाब बनाया जा सके।

अमृतसर पंजाब सरकार द्वारा ड्रग्स को खत्म करने के लिए चलाए जा रहे अभियान को और असरदार बनाने के मकसद से, ड्रग्स के खिलाफ जंग अभियान के तहत आज जंडियाला गुरु में एक एंटी-ड्रग अवेयरनेस प्रोग्राम किया गया। इस मौके पर, पंजाब के कैबिनेट मंत्री श्री हरभजन सिंह ईटीओ की लीडरशिप में गांव के सरपंचों, यूथ क्लबों, यूनियनों के नुमाइंदों और डिफेंस कमेटियों के सदस्यों के साथ एक खास मीटिंग भी हुई। मीटिंग को संबोधित करते हुए, कैबिनेट मंत्री श्री हरभजन सिंह ईटीओ ने कहा कि पंजाब सरकार ड्रग्स को खत्म करने के लिए पूरी तरह से कमिटेड है और इस अभियान को लोगों का आंदोलन बनाने के लिए समाज के हर वर्ग का सहयोग बहुत ज़रूरी है। उन्होंने कहा कि युवा हमारे देश और पंजाब का भविष्य हैं और उन्हें ड्रग्स से दूर रखना हम सबकी साझी ज़िम्मेदारी है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे ड्रग्स के खिलाफ डटकर खड़े हों और अपने गांवों और इलाकों में जागरूकता फैलाने के लिए आगे आएं। उन्होंने कहा कि अगर हम सब एकजुट होकर इस सामाजिक बुराई के खिलाफ लड़ें, तो पंजाब को ड्रग-फ्री बनाने का सपना जरूर पूरा हो सकता है। पब्लिक वर्क्स मिनिस्टर ने सरपंचों, यूनियनों और डिफेंस कमेटियों के सदस्यों से अपील की कि वे अपने-अपने इलाकों में एंटी-ड्रग एक्टिविटीज को तेज करें, युवाओं को स्पोर्ट्स, एजुकेशन और सोशल वर्क से जोड़ें और लोगों को ड्रग्स के बुरे असर के बारे में जागरूक करें। उन्होंने कहा कि ड्रग्स के खिलाफ जंग कैंपेन के तहत अब तक 60 हजार ड्रग पेडलर्स को गिरफ्तार किया गया है और 90 हजार से ज्यादा ड्रग एडिक्ट्स का सरकार ने डी-एडिक्शन सेंटर्स में फ्री इलाज किया है। उन्होंने कहा कि हर गांव में ई-रिक्शा चलाए गए हैं जिनमें एक कंप्लेंट बॉक्स भी लगाया गया है जिसमें लोग बिना अपनी पहचान बताए ड्रग पेडलर्स के खिलाफ कंप्लेंट दर्ज करा सकते हैं। उन्होंने कहा कि कंप्लेंट बॉक्स में जिस भी ड्रग पेडलर की जानकारी दी जाएगी, उसके खिलाफ तुरंत एक्शन लिया जाएगा। मीटिंग को संबोधित करते हुए आम आदमी पार्टी के ग्रामीण अध्यक्ष श्री गुरप्रताप सिंह संधू ने कहा कि ड्रग्स के खिलाफ मुहिम को घर-घर तक पहुंचाया गया है और इसे खत्म करके ही पंजाब को फिर से रंगीन पंजाब बनाया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि अब तक इस मुहिम के अच्छे नतीजे भी सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति मोर्चा के सभी वॉलंटियर राज्य को ड्रग फ्री बनाने के लिए बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। इस मौके पर एसडीएम मैडम

अलका कालिया ने कहा कि लोगों के सहयोग से ही राज्य को ड्रग फ्री बनाया जा सकता है, अगर लोग सहयोग करेंगे तो और भी अच्छे नतीजे सामने आएंगे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जंडियाला गुरु के डीएसपी श्री बलजीत सिंह ने कहा कि अगर आपके गांव में कोई भी ड्रग्स बेचता है तो मुझे सीधे इसकी जानकारी दें, किसी भी ड्रग तस्कर को बख्शा नहीं जाएगा। इस मौके पर मौजूद गांवों के प्रतिनिधियों और समाज सेवी संस्थाओं के सदस्यों ने भी ड्रग्स को खत्म करने के लिए हर मुमकिन मदद देने का भरोसा दिलाया और पंजाब को ड्रग फ्री बनाने के लिए मिलकर कोशिश करने का संकल्प लिया। इस मीटिंग में नशा मुक्ति मोर्चा ग्रामीण के प्रेसिडेंट श्री कुलदीप सिंह, वाइस प्रेसिडेंट निरवाल सिंह, काउंसलर सतिंदर सिंह, काउंसलर राज कुमार मल्होत्रा, बीडीपीओ श्री मलकीत सिंह, चेयरमैन गुरविंदर सिंह, सूबेदार शनाख सिंह, ब्लॉक प्रेसिडेंट केवल सिंह, सरपंच अमरीक सिंह, तहसीलदार अकविंदर कौर, एस.सी विंग के हल्का इंचार्ज मनजीत सिंह, शमशेर सिंह, अजयबीर सिंह, मौला सिंह के अलावा बड़ी संख्या में वॉलंटियर, डिफेंस कमेटियों के मेंबर और सरपंच मौजूद थे।